भारत और श्रीलंका के बीच 27 जुलाई से शुरू होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम की गुरुवार को घोषणा हो गई। सूर्यकुमार यादव को इस टीम का कप्तान बनाया गया है।

जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्षः29 अंकः218 दिनांकः19-07-2024 शुक्रवार मूल्यः1 रूपया 50 पैसा पृष्ठः4 अहमदाबाद M

'चारों तरफ अंधेरा छा गया...' गोंडा ट्रेन हादसे के बाद चीखते-चिल्लाते बदहवास नजर आए यात्री, अपनों को ढूंढ़ते नजर आए लोग चंडीगढ़ से डिब्रूगढ़ जा रही डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस ट्रेन की आठ बोगियों के पटरी से उतर जाने की घटना के बाद मौके पर ऐसा ही दृश्य था।

नीट-यूजी में धांधली को लेकर सुप्रीम कोर्ट सख्त...कोर्ट ने एनटीए को दिया निर्देश

20 जुलाई तक वेबसाइट पर अपलोड करें रिजल्ट

-रिजल्ट सिटी और सेंटर वाइज जारी हो, अगली सुनवाई 22 जुलाई को

नई दिल्ली(ईएमएस)। नीट-यूजी परीक्षा रद्द होगी या नहीं, इस पर सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को भी फैसला नहीं हो सका। कैंडिडेट्स को अभी और इंतजार करना होगा। गुरुवार को भी 4 घंटे सुनवाई चली। इस दौरान अदालत ने एनटीए को निर्देश दिया कि वह सभी कैंडिडेट्स के रिजल्ट शनिवार दोपहर 12 बजे तक वेबसाइट पर अपलोड करे। मार्क्स सेंटरवाइज और सिटीवाइज होना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि रिजल्ट अपलोड करते वक्त उम्मीदवार की पहचान जाहिर ना की जाए। हम सोमवार, 22 जुलाई को सुबह 10.30 बजे अगली सुनवाई शुरू करेंगे। ताकि दोपहर तक हम निष्कर्ष निकाल सकें। हम बिहार पुलिस रिपोर्ट की एक कॉपी भी चाहते हैं।

नीट यूजी परीक्षा को लेकर गुरुवार को 40 से अधिक याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए चीफ जस्टिस की अध्यक्षता वाली पीठ ने माना कि पर्चा लीक हुआ था। साथ ही आदेश दिया कि सभी छात्रों का परीक्षा परिणाम शनिवार दोपहर 12 बजे तक सार्वजनिक किया जाए।

सुप्रीम कोर्ट के अनुसार, पर्चा बिहार के हजारीबाग में लीक हुआ था। बता दें, सर्वोच्च अदालत उन 40 याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है, जिनमें परिणाम रद्द कर परीक्षा दोबारा कराने की मांग की गई है। वहीं, सरकार का कहना है कि परीक्षा दोबारा कराने की जरूरत नहीं है, क्योंकि बहुत बड़े स्तर पर धांधली नहीं हुई है।

सुप्रीम कोर्ट ने प्रश्न पत्र की पहचान उजागर नहीं करने के लिए भी कहा है। दोबारा परीक्षा के सवाल पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि साबित करिए कि पेपर लीक हुआ था। दोबारा परीक्षा का आदेश देने के लिए ठोस वजह होना चाहिए। चीफ जस्टिस ने परीक्षा में शामिल हुए 23 लाख अभ्यर्थियों से पूछा कि उनमें से कितनों ने परीक्षा केंद्र बदलने की सुविधा का लाभ उठाया। इस पर नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने बताया कि 15000 उम्मीदवारों ने इस करेक्शन विंडो का उपयोग किया। आगे सीजेआई ने कहा कि अदालत उन लोगों से जानना चाहती है, जिन्होंने अपने केंद्र बदले हैं, उनमें से कितनों ने शीर्ष 1.08 लाख में जगह बनाई है।

वहीं, सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया गया है कि सीबीआई ने कथित नीट-यूजी पेपर लीक और कदाचार की चल रही जांच के संबंध में दूसरी स्टेटस रिपोर्ट दाखिल की है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, सीबीआई ने इस मामले में कल एक और स्टेट्स रिपोर्ट दाखिल की है। जिस पर सीजेआई ने कहा, हां हमने दूसरी स्टेट्स रिपोर्ट भी पढ़ी है।

रिपोर्ट सामने आने पर जांच होगी प्रभावित

याचिकाकर्ता की तरफ से पेश वकील नरेंद्र हुड्डा ने कहा कि हमें सीबीआई की स्टेटस रिपोर्ट नहीं दी गई है। इस पर अदालत ने कहा, हालांकि हम पारदर्शिता की सराहना करते हैं। मगर सीबीआई जांच चल रही है। अगर सीबीआई ने हमें जो बताया है उसका खुलासा होता है, तो यह जांच को प्रभावित करेगा।

हमें संतुष्ट करें कि पेपर लीक बड़े पैमाने पर हुआ

सीजेआई ने याचिकाकर्ता से कहा कि आप हमें संतुष्ट करिए कि पेपर लीक बड़े पैमाने पर हुआ और परीक्षा रद्द होनी चाहिए। दूसरी इस मामले में जांच की दिशा क्या होना चाहिए वो भी हमें बताएं। उसके बाद हम सॉलिसिटर जनरल को सुनेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता से यह भी कहा कि अगर आप हमारे सामने यह साबित कर देते हैं कि बड़े पैमाने पर गड़बड़ी हुई तभी दोबारा परीक्षा कराने का आदेश दिया जा सकता है।

सीजेआई और याचिकाकर्ता के बीच हुए सवाल-जवाब

याचिकाकर्ता छात्रों के वकील ने कहा कि कुछ ऐसे छात्र भी आए हैं, जिनकी रैंक एक लाख आठ हजार छात्रों के बीच है, लेकिन उनको सरकारी कॉलेज नहीं मिला। वहीं, एनटीए ने सभी लोगों का रिजल्ट घोषित नहीं किया है, जबकि दूसरी परीक्षाओं में पूरे रिजल्ट घोषित होते है। इस पर सीजेआई चंद्रचूड़ ने पूछा कि सरकारी कॉलेजों में कितनी सीटें हैं? वकील ने कहा कि 56 हजार सीटें। कम से कम एक लाख का रिजल्ट घोषित हों। सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि क्या आपके हिसाब से कुछ लोग एक लाख आठ हजार के केटेगरी में आ गए है? आप (याचिकाकर्ता) पहले तथ्यों पर बात करें। एक लाख आठ हजार में से कितने याचिकाकर्ता है और कितने छात्र सुप्रीम कोर्ट पहुंचे हैं।

इस बीच, सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई से पहले सीबीआई का बड़ा एक्शन देखने को मिला। सीबीआई ने गुरुवार सुबह पटना में छापा मारा और एम्स पटना के तीन छात्रों को हिरासत में लिया। इनसे पूछताछ जारी है। डॉक्टरों के कमरों को सील कर दिया गया है।

मोदी, शाह, राजनाथ के बीच 1 घंटे चली सीसीएस की मीटिंग

आतंकियों पर कड़े प्रहार की तैयारी

नई दिल्ली(ईएमएस)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कैबिनेट सुरक्षा मामलों की समिति सीसीएस की अहम बैठक हुई। इस मीटिंग में शामिल बड़े चेहरे शामिल हुए। बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और सीनियर अधिकारी मौजूद थे। सूत्रों के मुताबिक, सीसीएस की ये बैठक काफी लंबी चली और इस दौरान जम्मू में बढ़ रहे आतंकी हमलों पर भी विस्तार से चर्चा हुई।

बता दें कि पिछले कुछ दिनों से जम्मू-कश्मीर के अलग-अलग इलाकों में आतंकी घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें कई जवान भी शहीद हुए हैं। जानकारी सामने आई है कि अब सरकार आतंकवादियों पर बड़ा प्रहार करने की तैयारी में है। घाटी में हुए हमलों में सबसे लेटेस्ट डोडा का मामला है। आज सुबह ही, जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले के कास्तीगढ़ इलाके में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ हुई। घाटी में आतंकी एक बार फिर सक्रिय हो गए हैं। सोमवार शाम डोडा में ही एक एनकाउंटर में पांच जवान शहीद हो गए थे। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने कहा कि डोडा के कास्तीगढ़ इलाके में मुठभेड़ शुरू हो गई है। अधिक जानकारी आना अभी बाकी है। सूत्रों के मुताबिक मुठभेड़ में सेना एक जवान घायल हुआ है। जम्मू डिवीजन के डोडा में यह एक महीने के अंदर आतंकियों के साथ मुठभेड़ की छठी घटना है।

कुपवाड़ा में मुठभेड़, सुरक्षाबलों ने दो आतंकी किए ढेर, डोडा में भी ऑपरेशन जारी

जम्मू कश्मीर(ईएमएस)। जम्मू संभाग के जिला डोडा के बाद कश्मीर के उत्तरी इलाके के जिला कुपवाड़ा के केरन सेक्टर में मुठभेड़ शुरु हो गई है। गुरुवार को सीमांत क्षेत्र केरन में भारत-पाकिस्तान नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच गोलीबारी हुई। मौके पर सेना की 6 आरआर और पुलिस के एसओजी के जवानों ने मोर्चा संभाला हुआ है। यहां, जवानों ने दो आतंकवादी मार गिराए हैं।

जम्मू कश्मीर में गुरुवार को मौसम बिगड़ा हुआ है। कई इलाकों में बारिश हुई है। बादल छाए हुए हैं। इससे पहाड़ी इलाके धुंध से घिर जाते हैं। इसी बीच सुरक्षाबल आतंकियों से लोहा ले रहे हैं। उधर, डोडा में भी मुठभेड़ चल रही है। बिगड़े मौसम के बीच रुक-रुक कर गोलीबारी हो रही है। डोडा में सोमवार से आतंकियों की तलाश के लिए अभियान चल रहा है। डोडा में चार दिनों में ये तीसरी मुठभेड़ है, लेकिन अभी सुरक्षाबलों को सफलता नहीं मिल पाई है। घने जंगल, ऊंचे पहाड़ और बिगड़ा हुआ मौसम सुरक्षाबलों के लिए चुनौती बना हुआ है, लेकिन जवान डटे हुए हैं। एक अधिकारी ने कहा कि जल्द ही आतंकियों का सफाया किया जाएगा। रामबन-डोडा रेंज के डीआईजी श्रीधर पाटिल ने कहा कि ऑपरेशन अभी चल रहा है। जल्द इसे पूरा कर लिया जाएगा।

देर रात करीब दो बजे डोडा के कास्तीगढ़ इलाके में हुई मुठभेड़ में दो जवान घायल हुए हैं। उन्हें राजकीय अस्पताल में प्राथमिक इलाज के बाद कमान अस्पताल भर्ती कराया गया है। यहां उनका उपचार चल रहा है।

अधिकारियों ने बताया कि इलाके में सर्च ऑपरेशन चल रहा है। इसी बीच रात में सेना ने संदिग्ध गतिविधियां देखी। तुरंत तलाशी के दौरान आतंकवादियों से संपर्क स्थापित हुआ, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। उन्होंने बताया कि शुरुआती गोलीबारी के दौरान सेना के दो जवान घायल हो गए।

कांवड़ यात्रा के रास्ते में पड़ने वाली दुकानों पर प्रोप्राइटर्स का नाम लिखने के आदेश पर सियासी कोहराम

सहारनपुर (ईएमएस)। कांवड़ यात्रा के रास्ते में पड़ने वाली दुकानों के ऊपर उनके प्रोप्राइटर्स का नाम लिखने के आदेश को सहारनपुर से कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने तुगलकी फरमान कहा। साथ ही ये भी कहा कि प्रशासन समाज को बांटने का प्रयास कर रहा है। सांसद इमरान मसूद ने कहा, ''यूपी पुलिस ने एक तुगलकी फरमान जारी किया है, जो समाज को बांटने का काम करेगा। कांवड़ यात्रा का हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई सभी को सम्मान करना चाहिए। उन्हें समाज में एकजुटता का संदेश देना चाहिए। इस तरह की बातें नफरत को बढ़ावा देती हैं, यह फरमान बहुत ही दुखद है।'' उन्होंने यह भी कहा कि कांवड़ बनाने वाले लोगों में मुसलमान भी शामिल हैं, कांवड़ियों पर इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं पड़ेगा। कांवड़ियों के पहनने वाले कपड़े सहारनपुर के होजरी में तैयार होते हैं, जो मुस्लिम भाई बनाते हैं। ये लोग हिंदू-मुसलमान को बांटने की बात कर रहे हैं।

बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने 'एक्स पर कहा,पश्चिमी उप्र व मुजफ्फरनगर जिला के कांवड़ यात्रा मार्ग में पड़ने वाले सभी होटल, ढाबा, ठेला आदि के दुकानदारों को मालिक का पूरा नाम प्रमुखता से प्रदर्शित करने का नया सरकारी आदेश एक गलत परम्परा है, जो सौहार्दपूर्ण वातावरण को बिगाड़ सकता है। जनहित में सरकार इसे तुरंत वापस ले।

सपा के पूर्व सांसद एसटी हसन का कहना है कि यह समाज को बांटने की दूसरी साजिश है। ऐसा ही एक ट्रेंड जर्मनी में चला था, जिसमें एक कम्युनिटी को बॉयकॉट करने का संदेश था। हमें ऐसा लगता है कि हिंदू-मुसलमान कर भाजपा सरकार समाज को बांटना चाहती है। उन्होंने कहा कि जो कांवड़ वाले होते हैं, उनमें से 5 या 10 फीसदी ऐसे लोग होते हैं, जो मुसलमान से कुछ भी लेना पसंद नहीं करते। आप एक संदेश दे रहे कि मुसलमान की दुकान से कुछ भी खरीदना बंद कर दें।

कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा कि क्या हिंदुओं का बेचा गया मीट, दाल-चावल बन जाएगा? ठीक वैसे ही कोई अल्ताफ या रशीद आम-अमरूद बेच रहा है, वो गोश्त तो नहीं बन जाएगा। ये संघ वाले लोग हैं, जो बिना सोचे-समझे काम करते हैं। पवन खेड़ा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वीडियो शेयर करते हुए कहा कि कांवड़ यात्रा के रूट पर फल-सब्ज़ी विक्रेताओं व रेस्टोरेंट ढाबा मालिकों को बोर्ड पर अपना नाम लिखना होगा। इसके पीछे की मंशा बड़ी स्पष्ट है, हिंदू कौन और मुसलमान कौन? हो सकता है कि इसमें जाति भी हो। यूपी सरकार ने जो आदेश जारी किया है, इसके पीछे मंशा है कि कैसे मुसलमानों का आर्थिक बहिष्कार का सामान्यीकरण करना है। इस मंशा को हम कामयाब नहीं होने देंगे।

एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी नेकांवड़ यात्रा को लेकर उत्तरप्रदेश पुलिस की आलोचना की। उन्होंने इसकी तुलना दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद और जर्मनी में हिटलर के तानाशाही फैसले से करते हुए कहा कि इसे दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद कहा जाता था और हिटलर की जर्मनी में इसका नाम जूडेनबॉयकॉट था। जावेद अख्तर ने एक्स पोस्ट में कहा, मुजफ्फरनगर यूपी पुलिस ने निर्देश दिए हैं कि निकट भविष्य में किसी विशेष धार्मिक जुलूस के मार्ग पर सभी दुकानों, रेस्तरां और यहां तक कि वाहनों पर मालिक का नाम प्रमुखता से और स्पष्ट रूप से दिखाया जाना चाहिए। नाजी जर्मनी में केवल विशेष दुकानों और मकानों को निशान बनाते थे।

समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने 'एक्स पर कहा, ''... और जिसका नाम गुड्डू, मुन्ना, छोटू या फत्ते है, उसके नाम से क्या पता चलेगा?'' उन्होंने कहा, ''माननीय न्यायालय स्वतः संज्ञान ले और ऐसे प्रशासन के पीछे के शासन तक की मंशा की जांच करवाकर, उचित दंडात्मक कार्रवाई करे। ऐसे आदेश सामाजिक अपराध हैं, जो सौहार्द के शांतिपूर्ण वातावरण को बिगाड़ना चाहते हैं।''

आईएएस ऑफिसर पूजा खेडक़र की मां अरेस्ट

पुणे(ईएमएस)। यूपीएससी सिलेक्शन को लेकर विवादों में घिरीं ट्रेनी आईएएस ऑफिसर पूजा खेडकर की मां मनोरमा को पुणे ग्रामीण पुलिस ने रायगढ़ के महाड़ के एक होटल से अरेस्ट कर लिया है। वे होटल में नाम बदलकर छिपी हुई थीं। उन पर किसानों को धमकाने का आरोप है। मनोरमा खेडकर का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वह पिस्तौल से किसानों को धमकाती हुई नजर आ रही थीं। घटना पुणे के मुलशी तालुका के धडावली गांव की थी, जहां पूजा के पिता दिलीप खेडकर ने जमीन खरीदी थी। प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर की मां मनोरमा खेडकर को आज सुबह पुणे पुलिस ने कथित तौर पर अवैध बंदूक रखने के आरोप में गिरफ्तार किया। बता दें कि मनोरमा खेडकर की गिरफ्तारी हाल ही में सामने आए एक वायरल वीडियो के कारण हुई है, जिसमें उन्हें पुणे जिले के मुलशी गांव में जमीन विवाद को लेकर स्थानीय किसानों से झगड़ा करते हुए पिस्तौल लहराते हुए दिखाया गया है।

बजट में अपनी मांग मंगवाने 10 दिन में तीसरी बार दिल्ली पहुंचे नायडू

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली नई एनडीए सरकार का पहला बजट पेश होने में चार दिन बाकी है। इस बीच गठबंधन सरकार में तेलगु देशम पार्टी यानी टीडीपी किंगमेकर की भूमिका में सामने आई. इसकारण चंद्रबाबू नायडू की पार्टी को इस बार के बजट से राज्य के लिए बड़ी उम्मीदें हैं और सीएम नायडू की 3 सूत्रीय विश लिस्ट भी बजट से पहले वित्त मंत्री के पास पहुंच चुकी है। इतना ही नहीं टीडीपी चीफ नायडू बजट से पहले लगातार दिल्ली पहुंचकर सीनियर नेताओं के साथ बातचीत करते भी दिख रहे हैं। वह महज 10 दिनों में दूसरी बार दिल्ली पहुंचे और उन्होंने केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात की थी। ऐसा माना जा रहा है कि बजट में अपनी मांगों को पूरा कराने के लिए टीडीपी की ओर से हर संभव प्रयास किया जा रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक, टीडीपी ने 23 जुलाई को पेश होने जा रहे बजट के लिए अपनी 3 सबसे बड़ी मांगे सामने रखी हैं। उसमें पहली ये है कि विशेष रूप से राज्य के अनंतपुर, चित्तूर, कुडप्पा, कुरनूल, श्रीकाकुलम, विशाखापत्तनम और विजयनगरम सहित अन्य पिछड़े जिलों के लिए बजटीय अनुदान होना चाहिए। इसके बाद दूसरी अमरावती के लिए वित्तीय सहायता और तीसरी पोलावरम सिंचाई प्रोजेक्ट के लिए समय पर पैसा जारी करने की मांग शामिल है।

नायडू की विश लिस्ट में तीन प्रमुख मांगों के साथ ही विजयवाड़ा, विशाखापट्टनम और अमरावती में मेट्रो रेल परियोजनाओं के अलावा विजयवाड़ा से मुंबई और नई दिल्ली तक वंदे भारत ट्रेन के लिए भी समर्थन भी शामिल है।

इस सप्ताह पूरे भारत में होगी झमाझम बारिश, मौसम विभाग ने किया अलर्ट

नई दिल्ली(ईएमएस)। इस सप्ताह भारत के लगभग पूरे हिस्सों में झमाझमा बारिश होगी। मौसम विभाग का कहना है कि मानसून अपने चरम पर है और अगले 5 दिनों के दौरान हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पूर्वी राजस्थान, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगिट, बाल्टिस्तान, मुजफ्फराबाद, पंजाब, उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, उप हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम, ओडिशा, बिहार, झारखंड, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़, गोवा, मध्य महाराष्ट्र, गुजरात क्षेत्र में बारिश हो सकती है। इनके अलावा दक्षिण और पूर्वोत्तर भारत के अधिकांश राज्यों में जमकर बारिश की संभावना है। मॉनसून एक बार फिर से सक्रिय हो गया है। अगले 4-5 दिनों के दौरान इसके सामान्य स्थिति के दक्षिण में ही रहने की संभावना है। आईएमडी के अनुसार, 19 जुलाई को सौराष्ट्र और कच्छ के ऊपर एक चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र बना हुआ है।

अगले 5 दिनों के दौरान राजस्थान, मप्र, उत्तर प्रदेश समेत 15 से ज्यादा राज्यों में भारी बारिश हो सकती है। आईएमडी के अनुसार, उत्तराखंड, पूर्वी राजस्थान में 18 जुलाई, ओडिशा में 19 और 20 जुलाई, तमिलनाडु, पुडुचेरी, करईकल में 18 जुलाई, केरल, माहे में 18 और 19 जुलाई, तटीय आंध्र प्रदेश, यानम में 20 जुलाई तक, गुजरात में 19 जुलाई तक, विदर्भ में 20 जुलाई तक, छत्तीसगढ़ में 19 और 20 जुलाई, मध्य प्रदेश, कोंकण, गोवा, मध्य महाराष्ट्र, सौराष्ट्र, कच्छ, तटीय और दक्षिण आंतरिक आंध्र प्रदेश में अगले 5 दिनों तक भारी बारिश की संभावना हैं।

यहां भारी तो नहीं पर बारिश जरुर होगी

कर्नाटक, केरल, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप में अधिकांश स्थानों पर बारिश हुई या गरज के साथ बौछारें पड़ सकती है। मौसम विभाग का कहना है कि पश्चिम बंगाल, सिक्किम और ओडिशा में आंधी और बिजली के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। वहीं, अगले 5 दिनों के दौरान बिहार, झारखंड और पूर्वोत्तर भारत में भी हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। आईएमडी के मुताबिक, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पूर्वी राजस्थान, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में आंधी और बिजली के साथ छिटपुट से लेकर बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, बिहार, पूर्वी और पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और पश्चिमी राजस्थान में मॉनसून कमजोर रहा है।

गोंडा में चंडीगढ़ एक्सप्रेस की 14 बोगी पटरी से उतरीं,3 यात्रियों की मौत

लखनऊ,(ईएमएस)। उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले के गोंडा-मनकापुर रेलखंड के मध्य में आज गुरुवार दोपहर बड़ा रेल हादसा हो गया। यहां चंडीगढ़ से गारेखपुर जा रही चंडीगढ़ एक्सप्रेस-15904 की 14 बोगियां पटरी से उतर गईं। इस हादसे में 03 यात्रियों की मौत हो गई जबकि एक दर्जन से ज्यादा यात्री बुरी तरह घायल हो गए हैं।

रेल दुर्घटना की जानकारी मिलने के फौरन बाद ही रेलवे के तमाम उच्चाधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे हैं। प्रभावितों को राहत पहुंचाने और रेस्क्यू ऑपरेशन जारी किया गया है। पटरे से उतरने और पलटने के कारण क्षतिग्रस्त हुए डिब्बों में कुछ यात्रियों के फंसे होने के चलते उन्हें सकुशल निकालने का काम किया जा रहा है। रेलवे ने हादसे को लेकर हेल्पलाइन नंबर-लखनऊ- 8957409292, गोंडा-8957400965 जारी किया है।

जानकारी के अनुसार गोंडा जिले के गोंडा-मनकापुर रेलखंड के बीच चंडीगढ़ एक्सप्रेस की 14 बोगियां पटरी से उतर गई हैं। आज 18 जुलाई पौने तीन बजे के करीब 02 बोगियां बेपटरी हुई थीं, इसके बाद 12 और डिब्बे पलट गए। इस हादसे में 03 लोगों की मौत की खबर है जबकि 14 लोग घायल बताए गए हैं। चंडीगढ़ से गोरखपुर जाते समय हादसा मोतीगंज थाना क्षेत्र के पिकौरा गांव के पास हो गया।

रेल हादसे के फौरन बाद ही यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने घटना को संज्ञान में लेते हुए राहत और बचाव कार्य के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचने और त्वरित राहत कार्य शुरु करने व घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं। उन्होंने जिला प्रशासन के अधिकारियों को हर संभव सहायता पहुंचाने के निर्देश भी दिए हैं।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर अमल करते हुए प्रशासन ने आसपास के जिलों के सभी अस्पतालों, सीएचसी और पीएचसी को अलर्ट मोड में रखा है। रेल यात्रियों की सहायता हेतु हेल्पलाइन नम्बर भी जारी कर दिए गए हैं।

केशव प्रसाद मौर्य को मिला पूर्व मंत्री पंडित भराला का साथ...चौधरी दे इस्तीफा

मेरठ (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश बीजेपी में खींचतान का दौर जारी है। इस बीच डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के बयान संगठन सरकार से बड़ा है से राजनीतिक हलचल बढ़ गई है। यूपी सरकार के पूर्व मंत्री और बीजेपी के वरिष्ठ नेता पंडित सुनील भराला ने यूपी बीजेपी प्रमुख भूपेंद्र चौधरी के इस्तीफे की मांग कर दी है। उन्होंने केशव मौर्य के बयान का जिक्र करते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव में हार की नैतिक जिम्मेदारी लेकर चौधरी को अविलंब अपने पद से त्यागपत्र दे देना चाहिए।

सुनील भराला ने पोस्ट में लिखा है, संगठन सरकार से बड़ा होता है-केशव प्रसाद मौर्य। वैसे ये पंडित दीनदयाल जी भाग 3 पर लिखा है। इस बयान पर मेरी समझ से संगठन की जिम्मेदारी भी बड़ी होती है। उप मुख्यमंत्री मौर्य का आशय यही रहा होगा कि हार की बड़ी जिम्मेदारी संगठन की ही है। इसलिए प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी को अविलंब हार की नैतिक ज़िम्मेदारी लेते हुआ अपने पद से त्याग पत्र दे देना चाहिए। भाजपा में ऐसी परिपाटी रही है जहां तत्कालीन अध्यक्षों जैसे कलराज मिश्र जी, विनय कटिहार जी आदि ने इस्तीफे दिए श्रेष्ठ संगठन का असली कार्यकर्ता वही है जो अपनी गद्दी से पहले अपने संगठन व पार्टी के बारे में सोचे।

बता दें कि एक दिन पहले चौधरी ने दिल्ली में पीएम नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। इस मुलाकात को लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है लेकिन यह माना जा रहा है कि इसमें भारतीय जनता पार्टी के संगठन में होने वाले बदलाव की रूपरेखा के साथ-साथ कई राज्यों के राजनीतिक हालात को लेकर भी चर्चा हुई।

घर वापसी कर सकते हैं अजित पवार

नई दिल्ली (ईएमएस)। महाराष्ट्र में अपने चाचा शरद पवार से बगावत करने वाले अजित पवार वापस अपने चाचा के साथ जा सकते हैं। ऐसा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ी एक मराठी पत्रिका का कहना है। लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद से उनके कई नेता अजित का साथ छोड़ चुके हैं। अजित पवार को सबसे ताजा झटका बुधवार को पिंपरी चिंचवाड़ में लगा।वहां उनके गुट के चार बड़े नेताओं पार्टी छोड़ दी।

पार्टी छोड़ने वालों में एनसीपी (अजित गुट) के पिंपरी-चिंचवाड़ यूनिट के प्रमुख अजित गवाहाने, एनसीपी की छात्र शाखा के प्रमुख यश साने,पूर्व पार्षद राहुल भोसले और पंकज भालेकर के नाम शामिल हैं।बाद में ये नेता अजित पवार की पार्टी के 20 से अधिक अन्य नेताओं के साथ शरद पवार की एनसीपी में शामिल हो गए। अजित पवार की एनसीपी के साथ हुए गठबंधन की वजह से लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र में बीजेपी को झटका लगा है। इसके बाद अजित पवार के महायुति में बने रहने को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

वहीं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार से जब अजित पवार के पार्टी में शामिल होने को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी में किसी भी नेता के संभावित प्रवेश पर निर्णय सामूहिक होगा। उन्होंने इस बात की पुष्टि करने से इनकार कर दिया कि अगर अजित पवार वापस आना चाहते हैं तो उन्हें पार्टी में शामिल किया जाएगा या नहीं। उन्होंने कहा,इस तरह के फैसले व्यक्तिगत स्तर पर नहीं लिए जा सकते।संकट के दौरान मेरे साथ खड़े रहे मेरे सहयोगियों से पहले पूछा जाएगा।

इससे पहले शरद पवार की पार्टी के प्रवक्ता क्लाईड क्रैस्टो ने आरएसएस से जुड़े मराठी पत्रिका विवेकमें प्रकाशित एक लेख के आधार पर कहा था कि बीजेपी अजित पवार नीत एनसीपी को सत्तारूढ़ महायुति से अलग होने का संदेश दे रही है। उन्होंने कहा था कि लोकसभा चुनाव में मिली हार के बाद बीजेपी महाराष्ट्र में आगामी विधानसभा चुनाव जीतने की कोशिश कर रही है, लेकिन उसको इस बात का एहसास है कि अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के साथ गठबंधन में रहने पर उसकी जीत की संभावनाएं कम होंगी।

यूपी बीजेपी में अंदरूनी कलह पर अखिलेश बोले-100 विधायक लाओ, सरकार बनाओ

लखनऊ,(ईएमएस)। लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद यूपी बीजेपी में अंदरूनी कलह देखने को मिल रही है, जिसको लेकर लखनऊ से दिल्ली तक बैठकों का दौर जारी है। बीजेपी में मची इस कलह के बीच समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने मानसून ऑफर दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा- 100 लाओ, सरकार बनाओ।

ऐसा नहीं है कि अखिलेश यादव ने केशव प्रसाद मौर्य को पहली बार ऑफर दिया है। केशव मौर्य जब-जब बीजेपी से या नेताओं से नाराज होते हैं तब-तब अखिलेश ने उन्हें ऑफर देते है। अखिलेश ने कहा था कि वे आज भी 100 विधायक ले आएं तो सपा उन्हें सरकार बनाने में समर्थन करेगी। जब बीजेपी में अंदरूनी विवाद की खबर आई तो अखिलेश ने कहा था कि बीजेपी की कुर्सी की लड़ाई की गर्मी में उत्तरप्रदेश में शासन-प्रशासन ठंडे बस्ते में चला गया है। उन्होंने कहा था कि तोड़फोड़ की राजनीति का जो काम बीजेपी दूसरे दलों में करती थी, अब वही काम वह अपने दल के अंदर कर रही है। इसीलिए बीजेपी अंदरूनी कलह के दलदल में धंसती जा रही है। जनता के बारे में सोचने वाला बीजेपी में कोई नहीं है।

अखिलेश यादव के इस बयान पर डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने कहा था कि देश और प्रदेश दोनों जगहों पर बीजेपी मजबूत संगठन और सरकार है। सपा का पीडीए धोखा है। उन्होंने दावा किया था कि यूपी में सपा के गुंडाराज की वापसी असंभव है और बीजेपी विधानसभा चुनाव में 2017 दोहराएगी।

बता दें हाल ही में बीजेपी की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक हुई थी जिसमें बीजेपी नेताओं की कलह सामने आई। यहां डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने कहा था कि संगठन सरकार से बड़ा है। कार्यकर्ताओं का दर्द मेरा दर्द है। वहीं सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा था कि अति आत्मविश्वास ने लोकसभा चुनावों में बीजेपी को नुकसान पहुंचाया। उन्होंने कहा था कि 2014 और उसके बाद के चुनावों में बीजेपी के पक्ष में जितने फीसदी वोट थे, बीजेपी 2024 में भी उतने ही वोट हासिल करने में सफल रही है, लेकिन वोटों की शिफ्टिंग और अति आत्मविश्वास ने हमारी उम्मीदों को नुकसान पहुंचाया है।

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने डिप्टी सीएम केशव मौर्य को दिल्ली बुलाया था। सूत्रों की मानें तो उनसे कहा गया है कि यूपी में सरकार और संगठन साथ-साथ काम करे, इस पर काम करना चाहिए और ऐसी कोई बयानबाजी नहीं हो, जिससे जनता में मैसेज जाए कि हमारे अंदर अंदरूनी कलह है उनके साथ यूपी बीजेपी अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी को भी दिल्ली तलब किया गया था। चौधरी ने यूपी में हार की समीक्षा पार्टी नेतृत्व को सौंप दी है। 15 पेजों की रिपोर्ट में उन्होंने यूपी में पार्टी की हार के कारण बताए हैं। बीजेपी का फोकस अब यूपी में होने वाले 10 सीटों के उपचुनाव पर है। पार्टी इसके लिए तैयारियों में जुटी है। इसके लिए सीएम योगी ने उन कैबिनेट मंत्रियों की बैठक बुलाई थी, जिन्हें इन विधानसभा क्षेत्रों की जिम्मेदारी दी गई है। इसमें उपचुनाव को लेकर तैयारियों की चर्चा की गई थी।

बांग्लादेश में आरक्षण खत्म करने को लेकर पुलिस-छात्रों में झड़प, 6 की मौत, सैकड़ों घायल

ढाका,(ईएमएस)। भारत ही नहीं उसके पड़ोसी देश में भी आरक्षण को लेकर बवाला मचा है। बांग्लादेश में आरक्षण की वजह से हुए हंगामे में अब तक कम से कम छह लोगों की जान चली गई है। बांग्लादेश में हजारों छात्र सड़कों पर विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं और आरक्षण खत्म करने की मांग कर रहे हैं। इस प्रदर्शन ने हिंसक रूप ले लिया है।

जानकारी के मुताबिक पुलिस और छात्रों के बीच हुई झड़प में छह लोगों की जान चली गई. वहीं, 400 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। एक रिपोर्ट के मुताबक बुधवार शाम ढाका में आंदोलन शुरू हुआ था। इस बीच छात्रों और पुलिस के बीच हिंसक झड़प हो गई इसमें एक बच्चे समेत छह लोगों को गोली लगी है। छात्रों ने सुरक्षा बलों की कार्रवाई का जवाब देने के लिए गुरुवार को देशव्यापी बंद का आह्वान किया है।

छात्र नेताओं ने कहा है कि गुरुवार को हॉस्पिटल और आपातकालीन सेवाओं को छोड़कर सब कुछ बंद रहेगा। इस दौरान सिर्फ एम्बुलेंस को ही सड़कों पर निकलने की छूट रहेगी। वहीं, बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने हिंसा में लोगों के मारे जाने पर गहरा दुख जताया और कहा कि इस मामले में एक न्यायिक जांच समिति गठित की जाएगी। दरअसल, बांग्लादेश में ये विरोध आरक्षण खत्म करने के लिए हो रहा है। छात्र 1971 के युद्ध में लड़ने वाले सैनिकों के बच्चों के लिए सरकारी नौकरियों में आरक्षण खत्म करने की मांग कर रहे हैं। रिपोर्ट की मानें तो एक हफ्ते पहले ही बांग्लादेश की सुप्रीम कोर्ट ने इस आरक्षण पर रोक लगा दी थी लेकिन पीएम शेख हसीना ने इसे लागू नहीं होने दिया। इसको लेकर ही छात्र हंगामा कर रहे हैं। वहीं शेख हसीना का कहना है कि ये फैसला उनके हाथों में है। बांग्लादेश में 30फीसदी नौकरियां वॉर हीरो के बच्चों के लिए रिजर्व हैं। इसी के खिलाफ छात्रों का गुस्सा भड़का है, क्योंकि छात्र मेरिट के आधार पर नौकरियों की मांग कर रहे हैं। वहीं, पीएम शेख हसीना ने कहा कि इन छात्रों को भड़काया गया है। इसके लिए उन्होंने कुछ स्वार्थी तत्वों को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने छात्रों से अपील की है कि वे उपद्रवियों को स्थिति का फायदा उठाने का मौका न दें।

जन हितैषी

उत्तर प्रदेश भाजपा में मचा बवाल मंत्रिमंडल और संगठन में फेरबदल?

उत्तर प्रदेश भारतीय जनता पार्टी में इन दिनों घमासान मचा हुआ है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मुलाकात राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से हुई है। वहीं उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को दिल्ली बुलाया गया। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी लंबी बातचीत हुई है। लोकसभा चुनाव के बाद जिस तरह की स्थिति उत्तर प्रदेश भाजपा में देखने को मिल रही है उसमें मुख्यमंत्री पद को लेकर घमासान होने की बात सामने आ रही है। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं। वह लगातार दिल्ली में सक्रिय रहकर मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए दावा कर रहे थे। इसके लिए भाजपा के कई केंद्रीय नेताओं का उन्हें समर्थन भी मिल रहा था। यही कारण रहा है कि वह बहुत उत्साहित नजर आ रहे थे। उन्होंने सीधे-सीधे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ बगावत शुरू कर दी थी। वहीं दूसरी तरफ सीएम योगी आदित्यनाथ किसी भी कीमत में मुख्यमंत्री का पद छोड़ने के लिए तैयार नहीं हैं। योगी के हठ को देखते हुए केंद्रीय नेतृत्व ने भी उनके सामने हथियार डाल दिए हैं। अब हद यह है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केशव प्रसाद मौर्य को मंत्रिमंडल से हटाने की जिद पकड़ ली है। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में जिस तरह से केशव प्रसाद मौर्य ने सरकार से बड़ा संगठन है, कहकर सियासी संग्राम को आर-पार की स्थिति में लाकर खड़ा कर दिया है। उत्तर प्रदेश में सरकार और संगठन के बीच में जो रस्सा-कसी देखने को मिल रही है। उसके बाद यह माना जा रहा है, कि मुख्यमंत्री के पद पर तो योगी आदित्यनाथ बने रहेंगे, लेकिन केशव प्रसाद मौर्य उत्तर प्रदेश के मंत्रिमंडल से हटाए जाएंगे। उन्हें संगठन में लाया जा सकता है। यह भी हो सकता है, कि उन्हें उत्तर प्रदेश की राजनीति से हटाकर केंद्रीय राजनीति में सक्रिय किया जाए।

इस राजनीतिक उठापटक के बीच ही उत्तर प्रदेश में जल्द ही 10 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना हैं। इनमें से 9 सीटों पर भाजपा काबिज थी। यह उपचुनाव भारतीय जनता पार्टी के लिए जीतना बहुत जरूरी हो गया है। यदि ऐसा नहीं हुआ, तो इसका असर तीन राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव में पड़ना तय है। भविष्य में भी भाजपा के उत्तर प्रदेश में कमजोर होने से राष्ट्रीय स्तर पर भी पार्टी को नुकसान उठाना पड़ेगा। संभवतः इस वजह से भी केशव प्रसाद मौर्य पद और प्रतिष्ठा की इस लड़ाई में अलग-थलग पड़ गए हैं। इसमें उन्हें अपने राजनीतिक जीवन का सबसे बड़ा नुकसान होने जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी की उत्तर प्रदेश इकाई में जिस तरह का घमासान मचा हुआ है। आने वाले उपचुनाव में इसका खामियाजा भारतीय जनता पार्टी को भुगतना पड़ सकता है। केंद्रीय नेताओं ने अब जाकर इसे समझा है। पर इससे क्या, क्योंकि राजनीतिक गलियारे में तो इसे लेकर जमकर घमासान हो चुका है और उसे न सिर्फ राज्य ने बल्कि पूरे देश ने भी देखा और पढ़ा है। लोकसभा चुनाव 2024 के परिणामों को देखते हुए भाजपा देश की राजनीति को उत्तर प्रदेश पर केंद्रित करना चाह रही थी, लेकिन उसके बाद जो हुआ वह कहीं से भी पार्टी के हित में नहीं था। भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व द्वारा पहले इस विवाद की आग में घी डालने का काम किया गया था। अब आग बुझाने के प्रयास किये जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश में चल रहे इस विवाद में किस हद तक भाजपा सरकार और संगठन को हुए नुकसान होने से बचा पाती है। इसका फैसला भविष्य ही तय करेगा।

यूपी ने बजा दी भाजपा की पीपी

पहले कहावत थी कि - माया महा ठगिनी हम जानी अब कहा जाता है कि - सत्ता महा ठगिनी हम जानी । यूपी यानी हमारा प्यारा उत्तर प्रदेश एक बार फिर महारथियों के गले की हड्डी कहिये या गले की फांस बन गया है। 2024 के आम चुनाव में इसी यूपी में चारों खाने चित हुई भाजपा की समझ में नहीं आ रहा है कि वो देश की सत्ता के इस प्रवेश द्वार का चौकीदार बदलें या रहने दें ? यूपी में आने वाले दिनों में एक साथ विधानसभा की 10 सीटों के उप चुनाव भी होना है।

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को नाथने के लिए मोशा की जोड़ी ने पिछले 7 साल में क्या कुछ नहीं किया। यूपी के एक राजपथ पर नमो ने मुख्यमंत्री योगी को सार्वजनिक रूप से अपनी जीप के पीछे कदमताल कराई थी। देश के इतिहास में देश के सबसे बड़े राज्य के मुख्यमंत्री की ये पहली सार्वजनिक बेइज्जती थी ,लेकिन योगी जी योगी ठहरे। शिवभक्त हैं इसलिए अपमान का ये घूँट भी अमृत समझकर पी गए। बाद में मोशा की जोड़ी ने योगी जी को छकाने के लिए उनके दाएं-बाएं एक-एक उपमुख्यमंत्री नत्थी कर दिया लेकिन बात नहीं बनी। योगी को नाथने में मोशा कामयाब नहीं हुए।

आपको पता है कि योगी आदित्यनाथ नाथ सम्प्रदाय से आते हैं। उन्हें उनके गुरु ही नाथ पाए हैं ,दूसरा और कोई नही। लोकसभा चुनाव में प्रदेश में भाजपा का 400 पार का सुन्दर सपना टूटा तो योगी विरोधी एक बार योगी पर राशन-पानी लेकर पिल पड़े । बेचारे लखनऊ से दिल्ली की दौड़ लगा-लगाकर थक गए किन्तु योगी को मुख्यमंत्री पद से विदाई नहीं दिला पाए। योगी जी का सिंघासन हिला पाना उनके विरोधियों के लिए आसान नहीं है। आप इसे टेढ़ी खीर समझिये।

योगी को सत्ताच्युत करने का मन मोशा की जोड़ी का भी है लेकिन वे साहस नहीं कर पारहे हैं। उन्हें पता है कि इस समय उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में भाजपा का हिंदुत्ववादी एजेंडा चलाने वाला कोई दूसरा नेता भाजपा के पास नहीं है । कम से कम उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य तो कतई नहीं हैं। दूसरे उप मुख्यमंत्री की हैसियत भी योगी के मुकाबले शून्य है। दोनों उपमुख्यमंत्री लोकसभा चुनावों में अपने-अपने इलाकों में नाकाम साबित हो चुके हैं। भाजपा यदि जम्मू-कश्मीर के उप राज्य पाल मनोज सिन्हा को भी उत्तर प्रदेश में योगी का विकल्प नहीं बना सकती।

भाजपा का ही नहीं बल्कि संघ का हाईकमान भी जानता है कि यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को वैसे नहीं बदला जा सकता जैसे कि गुजरात में मुख्यमंत्रियों को बदला जाता है। यूपी, गुजरात नहीं है यूपी है। यहां गुजराती मॉडल कामयाब होने वाला नहीं है। दो दिन के लम्बे विचार विमर्श के बाद योगी जी के प्रमुख प्रतिद्वंदी उप मुख्यमंत्री केशव मौर्य लखनऊ वापस लौटे लेकिन खाली हाथ। उन्हें मोशा की जोड़ी योगी को हटाने का आश्वासन नहीं दे पायी। दे भी नहीं सकती,क्योंकि योगी इस समय भाजपा की मजबूरी बन गए है। बिना योगी के यूपी में भाजपा को अपने पांव जमाये रखने में बहुत समस्या हो सकती है। मोशे की जोड़ी जानती है कि जिस तेजी से यूपी में भाजपा की मुठ्ठी से जनसमर्थन बालू की तरह खिसक रहा है उसे देखते हुए नेतृत्व परिवर्तन का जोखिम नहीं लिया जा सकता।

योगी आदित्यनाथ के पास सियासत करने के लिए अभी बहुत समय है। वे अभी कुल 52 के हुए है। योगी हवाई जहाज से राजनीति में नहीं उतरे । वे विधायक रहे ,फिर संसद बने और फिर मुख्यमंत्री। योगी ने सबसे ज्यादा समय तक मुख्यमंत्री पद पर बने रहने का सम्पूर्णानन्द का कीर्तिमान भंग कर दिया है। वे 2017 से लगातार यूपी के मुख्यमंत्री हैं। उन्हें भाजपा ने पहली बार अपनी जरूरत के हिसाब से और दूसरी बार मजबूरी में मुख्यमंत्री बनाया था। अब भाजपा को ये तय करना है कि लोकसभा चुनाव में पार्टी को मिली करारी हार के बावजूद योगी जी को आगे भी मुख्यमंत्री पद पर रखा जाये या नहीं ?

आपको ध्यान देना होगा कि योगी आदित्यनाथ भाजपा के ऐसे मुख्यमंत्री हैं जो संघ दीक्षित नहीं है । उन्होंने दीक्षा अपने चाचा महंत अवैद्यनाथ से ली थी। इसलिए योगी जी को न भाजपा नाथ पा रही है और न आरएसएस। वे सबसे अलग हैं। योगी चार बार के सांसद हैं। उनकी अपनी हिन्दू वाहिनी है जो बजरंग दल या विहिप जैसी नहीं है। यानि योगी भाजपा की कृपा से राजनीति में नहीं हैं । वे जिस पार्टी के मंच से राजनीति करेंगे अपना वजूद बनाये रखेंगे। योगी जी पिछले एक दशक में भी बदले नहीं है। वे पहले भी मुस्लिम विरोधी राजनीति करते थे और आज भी कर रहे हैं। 2008 के योगी और 2024 के योगी में कोई फर्क नहीं है। वे उस समय भी दंगावीर थे और आज भी ये हैसियत रखते हैं लेकिन संविधान उन्हें ऐसा करने से रोके हुए है।

आने वाले दिनों में योगी जी अपने पद पर रहेंगे या जायेंगे इसकी भविष्यवाणी तो नहीं की जा सकती ,लेकिन अनुमान लगाया जा सकता है। मेरा अपना अनुभव कहता है कि योगी आदित्यनाथ को घर बैठना भाजपा के बूते की बात नहीं है । योगी न तो वसुंधरा राजे सिंधिया हैं और न शिवराज सिंह चौहान। वे आनंदी बाई पटेल भी नहीं हैं। उन्हें उत्तराखंड के त्रिवेंद्र सिंह रावत की तरह भी नहीं समझा जा सकता। जाहिर है कि योगी जी तभी मुख्यमंत्री पद से हटेंगे जब वे खुद ऐसा चाहें। उन्हें दबाकर,डराकर ,धमकाकर मुख्यमंत्री पद से हटाना भाजपा के लिए आसान नहीं है। भाजपा के लिए बेहतर होगा कि वो सब्र से काम ले और योगी जी को तब तक झेले जब तक की वे खुद अपने मठ में वापस लौटने की इच्छा प्रकट न कर दें। क्योंकि आज की परिस्थितियों में एक योगी आदित्यनाथ ही हैं जो राहुल -अखिलेश की जोड़ी का सामना कर सकते है। भाजपा के तरकश में योगी से ज्यादा प्रभावी कोई दूसरा तीर मुझे तो नहीं दिखाई देता। (लेखक - राकेश अचल / ईएमएस)

चुनाव : क्या यह हिंदुत्ववादी राजनीति के दौर का अन्त है?

जो लोग हिंदुत्व और हिन्दू धर्म में क्या अंतर है यह नहीं जानते उनके लिए पहले दोनों शब्दों का अर्थ समझना बहुत आवश्यक है। भारत की बहुसंख्या जनता का सनातन धर्म जिसे हम हिन्दू धर्म कहते है मानवता के समस्त मूल्यों और जीवन के उच्च आदर्शो को अपने में समाहित करता है।

वैचारिकता, बौद्धिकता और आध्यात्मिक चिंतन उसके अभिन्न अंग है। वह मानव मात्र को समान मानता है और वसुधैव कुटुम्ब यानि विश्व एक परिवार समान है उसका उदारवादी, सहिष्णु और सर्वग्राहों चरित्र परिभाषित करता है।

इसके ठीक विपरीत हिंदुत्व एक अबौद्धिक, अतार्किक और पूर्वग्राही मानसिकता का प्रतीक है। वह सनातम धर्म का सकीर्ण साम्प्रदायिक रूढ़िवादी और क्रूर रूप से आक्रमक एक विकृत स्वरूप है। वास्तव में हिंदुत्ववादी मनोवृत्ति सनातन हिन्दू धर्म का उसी तरह हानि पहुंचा रही है जैसे तालिबानी विचारधारा इस्लाम धर्म की छवि गिरा कर उसका नुकसान कर रही है।

एक राजनीतिक रणनीति के रूप में हिंदुत्ववादी विचारधारा को अपनाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भाजपा आज भारत में राज्य सत्ता के शीर्ष पर है। 2024 के चुनावों से पहले बड़ा सवाल यह था कि क्या हिंदुत्व मोदी को अगला कार्यकाल दिलाने में मदद करेगा?

यह सवाल दो कारणों से महत्वपूर्ण था। पहला, मोदी, अमित शाह और गुजरात लॉबी के उनके साथियों के हाथों में हिंदुत्व जादू की छड़ी की तरह काम कर रहा था। दूसरा यह कि गुजरात लॉबी देश की आर्थिक प्रगति और मोदी सरकार के कार्यकाल में बढ़ी भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि के बारे में जो भी दावे करती रही हो, हर कोई जानता था कि भाजपा अंततः चुनाव जीतने के लिए सांप्रदायिक प्रचार पर निर्भर करेगी, जैसा कि उसने कर्नाटक और अन्य राज्यों के विधानसभा चुनावों में किया था। इसमें कोई संदेह नहीं कि चुनाव जीतने के लिए हिंदुत्व पार्टी का सबसे विश्वसनीय और घातक हथियार रहा है।

इसलिए, हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा चुनावों के नतीजों का आकलन करते समय, यह जानना स्वाभाविक है कि क्या हिंदुत्व अभी भी एक सफल रणनीति है या इसने जनता के बीच अपनी अपील खो दी है। यह सवाल इसलिए और भी प्रासंगिक है क्योंकि अयोध्या और उसके आसपास भाजपा की करारी हार हुई है और हिंदुत्व के केंद्र वाराणसी में मोदी के लिए विजय का अंतर काफी कम हो गया है। फिर प्रधानमंत्री को निकट सहयोगी स्मृति इरानी तो चुनाव हार ही गयी ।

लगभग 26 विपक्षी दलों के इंडिया नाम के संयुक्त मोर्चे में शामिल होने के बाद, मोदी की बीजेपी के लिए चुनौती पिछले दो लोकसभा चुनावों की तुलना में कहीं ज़्यादा कठिन थी । मोदी को यह पता था, लेकिन फिर भी उनका मानना था कि, बहुसंख्यक हिंदुओं को उनकी आस्था के आधार पर भावनात्मक कार्ड खेलकर आसानी से बहकाया जा सकता है। लगभग सभी राजनीतिक पर्यवेक्षकों और विश्लेषकों का मानना था, और यह सही भी था कि बीजेपी नेतृत्व 2024 के चुनावों में भी जीत हासिल करने के लिए एक नया

सांप्रदायिक कार्ड लेकर आएगा। और बीजेपी ने यही किया था।

पर राम मंदिर का उद्घाटन, जो भाजपा की चुनावी मदद के लिए सही समय से पहले किया गया था, काम नहीं आया। मतदाताओं द्वारा राम मंदिर उद्घाटन को अस्वीकार किए जाने से हैरान मोदी और वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने चुनाव प्रचार के दौरान कई अन्य सांप्रदायिक कार्ड खेले और चुनाव आयोग मुह फेर कर बैठा रहा ।

राम मंदिर के बाद कृष्ण जन्मभूमि में ईदगाह मस्जिद, समान नागरिक संहिता और ज्ञानव्यापी मस्जिद का मुद्दा उठाया गया और बिहार के सीतामढ़ी में सीता माता के एक बड़े मंदिर के निर्माण की बात हुई। यह भगवान राम की पत्नी का जन्म स्थान माना जाता है।

यह स्पष्ट था कि भाजपा हिंदुत्व के मुद्दे पर चुनाव लड़ रही थी। भाजपा के अंदर और बाहर मोदी के अंधभक्तों को यकीन था कि यह कामयाब होगा और उनका साथ देने के लिए मोदी समर्थक राष्ट्रीय मीडिया और मुखर लेकिन राजनीतिक रूप से अनभिज्ञ, शिक्षित मध्यम और निम्न मध्यम वर्ग के लोग मौजूद थे। लेकिन दुर्भाग्यवश भाजपा के लिए कुछ भी काम नहीं आया।

मोदी भक्त चुनाव परिणामो से निराश हुए क्योंकि वे तथ्यों के आधार पर नहीं, बल्कि अंध विश्वास के आधार पर मोदी की अजेयता के बारे में आश्वस्त थे।

वास्तविकता यह है कि वर्ष 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव भाजपा को कुल पड़े वोटों का सिर्फ 37.46 और 37.25ङ वोट ही मिला था । मोदी सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर असंतोष के रहते, सांप्रदायिक कार्ड के खुलेआम इस्तेमाल के बावजूद 2024 के चुनावों में यह आंकड़ा घटकर 36.56 प्रतिशत रह गया। कठोर तथ्य यह है कि भाजपा को 80ङ में से सिर्फ 37 ङ हिन्दू वोट ही मिले, जो हिंदुओं ने अपनी आनुपातिक आबादी के हिसाब से डाले होंगे। इसका मतलब यह है कि हिंदुत्व कार्ड के बावजूद 2014 और 2019 के चुनावों में करीब 43ङ हिंदुओं ने भाजपा को वोट नहीं दिया था। वर्ष 2024 के चुनावो में भाजपा को वोट न देनेवालो की संख्या और भी बढ़ गयी ।

पर वर्ष 2024 के चुनाव में भाजपा का हिंदुत्व कार्ड क्यों काम नहीं आया? दरअसल हिंदुत्व एक चुनावी रणनीति है जो भावनाओं को आकर्षित करती है। अब इसमें दो समस्याएं हैं। भावनाओं को कुछ समय के लिए बहुत उकसाया जा सकता है। लेकिन ऐसी भावनाएं मानव मन की स्थायी पूंजी नहीं होती हैं। एक बार जब ऐसा कोई व्यक्ति शांत हो जाता है तो वह तर्कसंगत सोच पर वापस आ जाता है। वर्ष 2013 में, पश्चिमी यूपी के जिलों में सांप्रदायिक की आग भड़क उठी थी, जिसके कारण हिंदुओं और मुसलमानों के बीच बड़े पैमाने पर हिंसा हुई थी। वर्ष 2021 में, दोनों समुदायों ने तीन कृषि कानूनों के विरोध में हाथ मिलाया और आठ साल पहले एक-दूसरे के खिलाफ लड़ने के तथ्य पर सार्वजनिक रूप से खेद व्यक्त किया।

अल्पसंख्यकों के खिलाफ भाजपा नेताओं के लगातार नफरत भरे अभियान के बावजूद, तमाम लोग जिनमे भाजपा के कुछ कार्यकर्ता भी है अब कह रहे हैं कि नफरत भरा अभियान बंद होना चाहिए। इसके अलावा, अब इससे भाजपा को चुनावी लाभ मिलना भी बंद हो गया है जैसा कि हमने कर्नाटक सहित कई राज्यों के चुनाव और उप चुनावो में देखा ।

वर्ष 2024 के चुनावी नतीजों से यह स्पष्ट हो गया है कि हिंदुत्व कार्ड अब कोई प्रभावी हथियार नहीं रहा है। साथ ही साथ यह भी स्पस्ट हो गया की न ही मोदी अजेय हैं और न ही वह भारतीय राजनीति के कोई युग पुरुष हैं यह कहना भी सही नहीं है कि आरएसएस की महान संगठनात्मक ताकत ही जीत का कारण है। सच तो यह है कि न तो हिंदुत्व और न ही मोदी की छवि कोई जादू की छड़ी है। विपक्ष की कमज़ोरी, भ्रम और आपसी कलह की वजह से ही मोदी इस मुकाम पर पहुंचे कि उन्हें महानायक की छवि हासिल हो गई । नेपोलियन बोनापार्ट ने कहा था कि उन्हें फ्रांस का ताज ज़मीन पर पड़ा मिला और उन्होंने उसे उठा लिया। इसी तरह मोदी को भी प्रधानमंत्री पद थाली में सजाकर विपक्ष ने 2014 में दिया था।

दरअसल पिछले दो चुनावों में भाजपा की जीत विपक्षी खेमे में गहरी फूट और कांग्रेस द्वारा किसी अनुभवी नेता के नेतृत्व में निर्णायक लड़ाई लड़ने में विफलता के कारण हुई है। इसके अलावा उत्तर भारत में विपक्षी दलों ने गठबंधन बनाने और चुनाव प्रचार के मुद्दे उठाने में रणनीतिक गलतियां भी कीं ।

अपनी गलतियों का एहसास होने और हर तरह की बेइज्जती और दबाव झेलने के बाद विपक्षी नेता अब संयमित हो गए हैं। उन्होंने अपने अहंकार और महती महत्वकांक्षाओं को दबा लिया है। कांग्रेस को भी अब नेहरू गांधी परिवार से बाहर का एक अध्यक्ष मिल गया है, जिससे भाजपा को अपने मुख्य विपक्षी दल पर हमला करने का सुविधाजनक मंच नहीं मिल पाया है। और इसके अलावा, 26 पार्टियां भाजपा सरकार को सत्ता से बाहर करने के एक सूत्री एजेंडे पर यही यह भाजपा के हिंदुत्ववादी एजेंडे के अंत का शंखनाथ है। (लेखक-प्रो प्रदीप माथुर/ईएमएस) (लेखक मीडिया मैप वेबसाइट के मुख्य सम्पादक है।)

लोक ही नहीं परलोक सुधारने का जतन है मां के नाम एक

मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से प्रेरणा पाकर मां के नाम एक पेड़ योजना को हाथ में लेकर केवल पर्यावरण को सुधारने का प्रयास ही नहीं किया है, बल्कि इसके माध्यम से प्रकृति को अपने अनुकूल बनाने की कोशिश शुरू कर दी है। यदि इस योजना को साकार करने हेतु सरकार के साथ जनता जनार्दन के कदम मिल जाएं तो आने वाले समय में एक नए भविष्य की संभावना प्रबल होती दिखाई देती है। जन श्रुतियों और ग्रंथों में दर्ज परंपराओं पर ध्यान दें तो हमें पता चलेगा कि भारतीय संस्कृति और संस्कार, दोनों इस प्रकृति के प्रादुर्भाव से ही पर्यावरण के हितकारी रहे हैं। उदाहरण के लिए- हमारे देश में आस्था का इतना गहन महत्व है कि यहां अनेक नदियों को मां के समान पूजा जाता है। पत्थरों से मूर्तियां तराशकर हम उनके भीतर अपने देवताओं के दर्शन करते हैं। इसे भी महत्वपूर्ण स्थान हमारे जीवन में पेड़ पौधों और वृक्षों का रहा है। वर्ष भर जितने भी हिंदू त्यौहार मनाए जाते हैं उनमें ढेर सारे उत्सव ऐसे हैं, जिनमें केवल और केवल वृक्षों अथवा पेड़ पौधों की ही पूजा की जाती है। विस्तार से स्मरण करें तो हम पाएंगे हमारी माताएं बहने विभिन्न त्योहारों के माध्यम से वट वृक्ष, पीपल, आंवला, आम, केला, तुलसी सहित अनेक वृक्षों अथवा पेड़ पौधों की स्तुति करती रहती हैं। ये परंपराएं केवल इसलिए नहीं बनीं कि वृक्षों अथवा पेड़ पौधों की पूजा करने से हमें इच्छित फल की प्राप्ति हो जाती है अथवा देवी देवताओं के दर्शन हो जाते हैं। इनका गूढ़ अर्थ यह भी है कि हम जिन्हें पूजते हैं, सदैव ही उनकी सलामती की कामना करते रहते हैं।

लिखने का आशय यह कि जब हम वृक्षों अथवा पेड़ पौधों की पूजा करते हैं तो फिर यह चिंता भी स्वाभाविक हो जाती है कि धरती को हरा भरा बनाए रखने वाले ये पेड़ पौधे सदैव सही सलामत बने रहें तथा इनकी उत्पत्ति निरंतर वृद्धि को प्राप्त होती रहे। जाहिर है इस कामना को फलीभूत करने के लिए हमारे पूर्वज बड़े स्तर पर वृक्षारोपण भी करते रहे हैं। यदि हम अपने पुराने इतिहास को टटोलें तो पाएंगे कि भारत में ऐसे नगरों और ग्रामों की भरमार थी, जहां सड़कों के किनारे, घरों के आंगन में, बस्तियों के केंद्र में फलदार वृक्ष सहज भाव से ही आरोपित किए जाते थे और इनका अस्तित्व जनजीवन के लिए वरदान साबित होता रहता था। मौसम कोई भी हो, गर्मी सर्दी अथवा बारिश, यह सब जीव मात्र के प्रति अनुकूल तो बने ही रहते थे। ना ज्यादा सर्दी होती थी और ना अधिक गर्मी पड़ा करती थी। बारिश के मौसम में भी अतिवृष्टि और सूखे से राहत बनी रहती थी। कारण स्पष्ट है वृक्षों की अधिकता मौसम में अनुकूलता बनाए रखती थी। यदि विज्ञान की दृष्टि से देखा जाए तो फिर यह मानना पड़ेगा कि हमारे पूर्वज और संत महात्मा शेष सभ्य समाज की अपेक्षा अधिक चैतन्य एवं जागरूक थे। वे जानते थे कि जीव मात्र का अस्तित्व बचाए रखने के लिए वृक्षों के महत्व को नकारा नहीं जा सकता। अर्थात वृक्षों को जीवन दाता माना गया तभी उसके पूजन और स्तुति की स्थितियां निर्मित हुईं और आम जनमानस को प्रकृति के साथ जोड़ दिया गया।

यदि हमारे धार्मिक ग्रंथो की बात की जाए तो उनमें यह उल्लेख भी पढ़ने को मिलता है कि कोई व्यक्ति एक वृक्ष को धरती पर रोपता है और उसकी पूरी तन्मयता से उसकी देखभाल करते हुए ठीक ढंग से उसका पालन पोषण करता है, तो वह अनेक सुफलों का अधिकारी हो जाता है। हिंदू धर्म में कहा तो यहां तक गया है कि किसी पुरुष अथवा नारी द्वारा दस बच्चों को जन्म देने और उनके पालन पोषण करके उन्हें सभी प्रकार से योग्य बनाने के बाद जो सुफल प्राप्त होते हैं वह सब केवल एक वृक्ष को लगाने से ही प्राप्त हो जाते हैं।

लिखने का आशय यह की पृथ्वी का संतुलित पर्यावरण अधिकांशतः पेड़ों पर ही टिका हुआ है। यदि पेड़ पर्याप्त मात्रा में है तो उनके द्वारा अतिरिक्त ताप को सोख लिया जाता है। यदि मानवीय गलतियों से नुकसान दायक गैसों का उत्सर्जन होने लगता है तो उन्हें भी पेड़ों की अधिकता के चलते निस्तेज किया जा सकता है। यदि पृथ्वी पर पेड़ पौधे पर्याप्त हैं तो वे सब मिलकर जलवायु परिवर्तनों को संतुलित बनाए रखते हैं। अर्थात समय पर बारिश होती है और उतनी ही होती है जिससे ना तो सूखा रह जाए और ना ही बाढ़ अथवा प्रलय के हालात बनें। दुख की बात यह है कि आजादी के बाद से लेकर अभी तक जितनी भी सरकारें अधिकतम समय तक शासन करती रहीं, उन्होंने कभी इस अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू पर गंभीरता के साथ गौर किया ही नहीं। बस वृक्षारोपण के नाम पर करोड़ों अरबो रुपए स्वाहा किए जाते रहे। इस पुण्य कार्य की आड़ में भारी पैमाने पर भ्रष्टाचार होता रहा। कागजों में वृक्षारोपण होते रहे, जो थोड़े बहुत वृक्षारोपण हुए भी तो देखभाल के अभाव में उन्होंने दम तोड़ दिया। नतीजा यह निकला कि विकास के नाम पर अंधाधुंध पेड़ काटे जाते रहे। जबकि उसके विपरीत वृक्षों को पर्याप्त मात्रा में नहीं रोपा गया। नतीजा हम सबके सामने हैं। गर्मियां और अधिक जानलेवा हो रही हैं।सर्दियों के मौसम में भी लोग पहले की अपेक्षा अधिक दम तोड़ने लगे हैं। बारिशों का हाल यह है कि कहीं पानी का अभाव रह जाता है तो कुछ इलाकों में इतनी आतिवृष्टि होती है कि बाढ़ और प्रलय के हालात बन जाते हैं।

लेकिन अब भारत की प्रकृति और प्रवृत्ति परिवर्तित हो रही है। क्योंकि देश में जन सरोकारों के प्रति सदैव ही चिंतित बने रहने वाले प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की सरकार है। उन्होंने वृक्षारोपण को केवल औपचारिकता से अलग हटकर उसे संस्कृति और संस्कारों से जोड़ने का बीड़ा उठाया है। अपनी इसी मंशा को पूरा करने की दृष्टि से उन्होंने एक पेड़ मां के नाम योजना का शुभारंभ किया है। जाहिर है उनके द्वारा यह विधि इसलिए अपनी गई है ताकि लोग वृक्षारोपण के लिए केवल फॉर्मेलिटी ना करें। बल्कि पूरी गंभीरता से पौधे को रोपें और एक बच्चे की तरह उसका तब तक लालन पालन करते रहें, जब तक कि वह पर्यावरण को अनुकूलता प्रदान करने वाला आत्मनिर्भर वृक्ष नहीं बन जाए। वृक्षारोपण करने वालों में गंभीरता और समर्पण का भाव बना रहे, इसी दृष्टि से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने इस कार्यक्रम के साथ मां को जोड़ दिया है। उनके इस विचार की जितनी प्रशंसा की जाए कम है और बुद्धिजीवी लोग प्रशंसा कर भी रहे हैं। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक ऐसे ही सच्चे प्रशंसक हैं। यही वजह है कि उन्होंने एक पेड़ मां के नाम योजना को पूरी गंभीरता से लिया है। बेशक इस योजना को क्रियान्वित करने के लिए कोई कानून नहीं बनाया गया है। ना ही इस आशय के निर्देश हैं कि सभी को ऐसा करना ही होगा। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा जनता जनार्दन से आग्रह किया गया है कि सब लोग अपनी मां के नाम का एक पौधा अवश्य रोपें ।लेकिन बात केवल जनहित की न होकर जीव मात्र के हित की है। इसलिए जो लोग पृथ्वी आकाश जल अग्नि वायु पंच महाभूतों का सम्मान करते हैं, उनके द्वारा इस योजना को गंभीरता से लिया जाना चाहिए और लिया भी जा रहा है।

ऐसे जागरूक जनप्रतिनिधियों की ही तरह मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने एक पेड़ मां के नाम योजना को पूरे प्रदेश में अमली जामा पहनाने के पुख्ता इंतेजामात किए हैं। पौधों की प्रचुर मात्रा में उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। ताकि बारिश के मौसम में जो लोग वृक्षारोपण करना चाहें उन्हें पौधों की कमी आने ना पाए। साथ ही यह आग्रह किया जा रहा है कि जो लोग पौधारोपण कर रहे हैं, वे अपने पौधे को पहचान कर रखें। उसे ठीक उसी प्रकार पालते पोसते रहें ,उसकी देखभाल करते रहें ,जब तक कि वह आत्मनिर्भर वृक्ष के रूप में स्थापित न हो जाए। यदि सभी लोगों ने संकल्प ले लिया और बारिश के मौसम में सभी ने एक-एक पेड़ का रोपण किया तथा उसकी वांछित देखभाल की तो दावा किया जा सकता है कि हमारे इन प्रयासों का निकट भविष्य में बहुत अच्छा परिणाम वरदान के रूप में हमें प्राप्त होने वाला है।

अंत में सभी से अपील है कि हम अपनी मां की स्मृति में वृक्षारोपण का संकल्प लें और इस बारिश के मौसम में कम से कम एक पौधा अवश्य रोपें तथा उसकी पूरी देखभाल करें।(लेखक- डा राघवेन्द्र शर्मा/ ईएमएस) (लेखक- अभिमान्य पत्रकार है।)

शब्द पहेली - 8072

बाएँ से दाएँ

1. पैगंबर, खुदाई रहनुमा-4
4. कारगुजारी, करिश्मा-4
7. दौड़ना (अंग्रेजी -2)
8. पासे फैंक कर भविष्य जानने की विद्या-3
9. गहराई-2
10. राय, वोट-2
12. आलीशान, उदार-3
14. नकारना, इंकार करना-2,3
15. चोरी करना-2,3
17. राशन, खाद्य सामग्री-3
19. गन्ना-2
21. हर रोज, प्रतिदिन-2
23. वाद्य बजाने वाला-3
24. शारीरिक ऊंचाई-2
25. जहां ताजिए दफन करते हैं-4
26. महीन व मूल्यवान कपड़ा-4

ऊपर से नीचे

1. हमेशा, हर पल, सदैव-4
2. जनता, लोक-2
3. द्रव पदार्थ-3
4. नागपुर के पास का एक कस्बा जहां जापान के सहयोग से भव्य बौद्ध मंदिर बना है-4
5. और, एवं-2
6. मन भटकाना-4
11. झगड़ा, कहासुनी-4
13. कोमलता-4
14. राजी करना-3
15. सहखिलाड़ी-4
16. चौकीदार, प्रहरी-4
18. कीचड़ -4
20. नगद राशि-3
22. पानी से सराबोर-2
24. थोड़ा, जरा-2

शब्द पहेली -8071 का हल

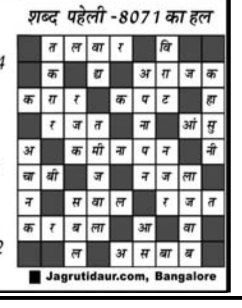

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

जिस तेजी से उभरे थे उसी तेजी से गायब हुए उमरान

नई दिल्ली (ईएमएस)। जम्मू कश्मीर के तेज गेंदबाज उमरान मलिक जिस तेजी से उभरे उसी तेजी से गायब भी हो गये हैं। उमरान ने आईपीएल के 2022 सत्र में अपनी 150 किलोमीटर प्रतिघंटा रफ्तार वाली गेंदों से धूम मचा दी थी। इसके बाद उन्हें भारतीय टीम में भी जगह मिली पर वह असफल रहे। शुरुआत में हर किसी ने उनकी तारीफ की और टीम इंडिया में शामिल करने की मांग की थी। ये भी कहा जा रहा था कि उमरान शोएब अख्तर के विश्व की सबसे तेज गेंद फेंकने के रिकॉर्ड को भी तोड़ देंगे पर कुछ ही समय बाद उमरान कहीं खो गये। यहां तक कि आईपीएल 2024 में उनकी फ्रेंचाइजी सनराइजर्स हैदराबाद ने भी उन्हें अवसर नहीं दिये।

150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंकने की क्षमता से ही वह सबके आकर्षण का केन्द्र बने थे। दो आईपीएल सत्र में शानदार प्रदर्शन से वह भारत की टी20ई और एकदिवीसय टीम में जगह हसिल कर पाये थे। टीम इंडिया में उमरान का शुरुआती प्रदर्शन ठीक था पर बाद में वह अपनी लाइन व लैंथ पर नियंत्रण नहीं रख पाये। खराब होते फॉर्म के कारण ही वह राष्ट्रीय और आईपीएल फ्रेंचाइजी दोनों से ही बाहर होना पड़ा। भारत के गेंदबाजी कोच रहे पारस म्हाम्ब्रे के अनुसार अगर कोई भी गेंदबाज गति पर नियंत्रण नहीं रखता तो वह भटक जाता है। वही इस गेंदबाज के साथ हुआ।

महिला एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट : पाकिस्तान के खिलाफ आज जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

दाम्बुला (ईएमएस)। भारत और पाकिस्तान की महिला क्रिकेट टीमें शुक्रवार को यहां एशिय कप क्रिकेट टूर्नामेंट में मुकाबला करेंगी। इसमें गत विजेता भारतीय महिला जीत से शुरुआत करना चाहेंगी। इसमें भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है क्योंकि हाल में भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हुई सीरीज से लक्ष्य हासिल कर ली है। भारतीय टीम की स्मृति मंधाना के अलावा कप्तान हरमनप्रीत कौर सहित सभी खिलाड़ी अच्छी लय में हैं। ये टूर्नामेंट इसलिए भी अहम है कयोंकि इसे अक्टूबर में होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारियों के लिये अहम माना जा रहा है। आंकड़ों पर नजर डालें ओ हरमनप्रीत की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने एशिया कप में अब तक शानदार प्रदर्शन किया है। उसने चार में से तीन टी20 खिताब के साथ ही चारों बार एकदिवसीय ओवरों के प्रारूप को भी जीता है। महिला एशिया कप टी20 टूर्नामेंट में भारत ने आज तक 20 में से 17 मैच जीते हैं। उसने 2022 में हुए फाइनल में बांग्लादेश को हराया था। वहीं पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय टीम ने अब तक इस टूर्नामेंट में 14 मैचों में 11 मुकाबले जीते हैं। ऐसे में भारतीय टीम का लक्ष्य अपनी जीत के सिलसिले को बनाये रखना है। इस माह की शुरूआत में भारत का तीन मैचों की टी20 सीरीज में दक्षिण अफ्रीका से मुकाबला 1-1 से बराबरी पर रहा।

वहीं दूसरी ओर पाक टीम को कुछ समय पहले ही इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज में 3-0 से करारी हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में उसका मनोबल गिरा हुआ है और टीम जब एशिया कप में उतरेगी उसपर जीत का भारी दबावा रहेगा। टीम की बल्लेबाज और गेंदबाजी लय में नहीं है। ऐसे में उसके लिए इस मुकाबले में काफी कम संभावनाएं हैं। भारत के पास जहां बल्लेबाजी में मंघाना और हरमनप्रीत जैसी खिलाड़ी हैं। वहीं तेज गेंदबाज के तौर पर पूजा वस्त्राकर हैं। पूजा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों में आठ विकेट लिए जबकि स्पिनर राधा यादव ने भी विरोधी टीम पर अंकुश लगा दिया था। ऐसे में पूजा और राधा का सामना करना पाक बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं रहेगा। भारतीय टीम के पास राधा के अलावा स्पिनरों में दीप्ति शर्मा, सजीवन साजना और श्रेयांका पाटिल जैसी खिलाड़ी हैं। वहीं पाकिस्तान की टीम निदा दर की कप्तानी में उतरेगी। टीम में इसके अलावा भी काफी बदलाव हुए हैं। ईरम जावेद, ओमैमा सोहेल और सैयदा आरूब शाह को पहली बार टीम में शामिल किया गया है जबकि तस्मिया रूबाब को पहली बार टीम में जगह मिली है। कुल मिलाकर देखा जाये तो भारतीय टीम का पलड़ा इस मैच में भारी रहेगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, जेमिमा रौड्रिग्स, रिचा घोष, उमा छेत्री, पूजा वस्त्राकर, दीप्ति शर्मा, अरूंधति रेड्डी, रेणुका सिंह, डी हेमलता, आशा शोभना, राधा यादव, श्रेयांका पाटिल, संजीवन साजना।

पाकिस्तान : निदा दार (कप्तान), आलिया रियाज, डायना बेग, फातिमा सना, गुल फिरोजा, ईरम जावेद, मुनीबा अली, नजीहा अल्वी, नाशरा संधू, ओमैमा सोहेल, सादिया इकबाल, सिदरा अमीन, सैयदा अरूब शाह, तस्मिया रूबाब, तूबा हसन।

जय शाह बनाये जा सकते हैं आईसीसी के अगले चेयरमैन

कोलंबो (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का यहां शुक्रवार से चार दिवसीय वार्षिक सम्मेलन शुरु होगा। इसमें भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव जय शाह के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) चेयरमैन बनने की संभावनाएं हैं। ये कहा जा रहा है कि शाह न्यूजीलैंड के ग्रेग बार्कले की जगह संस्था के अगले प्रमुख बन सकते हैं। इस बैठक में अमेरिका में टी20 विश्व कप मैचों की मेजबानी में दो करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक के नुकसान पर भी बात होगी।

आईसीसी की सदस्यता, एसोसिएट सदस्यों की बैठक की रिपोर्ट और आईसीसी विकास पुरस्कार प्रस्तुति पर चर्चा के साथ-साथ आईसीसी के नए बाहरी लेखा परीक्षक की नियुक्ति पर भी इस बैठक में बात होगी। इसके अलावा चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम के पाकिस्तान नहीं जाना का भी मामला इसमें उठेगा। आईसीसी के एक अधिकारी ने कहा कि आईसीसी में सभी की मुख्य रूप से रुचि इस बात में है कि शाह संस्था की कमान कब संभालेंगे।

बीसीसीआई सचिव के रूप में अभी उनका कार्यकाल एक साल शेष है जिसके बाद संविधान के अनुसार भारतीय बोर्ड में उनका ब्रेक (कूलिंग ऑफ पीरियड) 2025 में शुरू होगा। हालांकि अगर वह 2025 में आईसीसी चेयरमैन संभालते हैं तो बार्कले दिसंबर 2024 से दिसंबर 2026 तक दो साल का अपना तीसरा कार्यकाल पूरा नहीं कर पाएंगे।

वहीं माना जा रहा है कि अगर बार्कले का मौजूदा कार्यकाल तीन साल का होता है तो शाह बीसीसीआई सचिव के रूप में छह साल पूरे कर सकते हैं और फिर 2025 में तीन साल के लिए आईसीसी चेयरमैन बन सकते हैं।

आईसीसी टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में यशस्वी छठे स्थान पर पहुंचे ,सूर्यकुमार दूसरे स्थान पर कायम

दुबई (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में भारतीय टीम के आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार अपने दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। वहीं भारतीय टीम के ही युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल चार स्थान के लाभ के साथ ही छठे स्थान पर पहुंच गये हैं। यशस्वी ने । जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज में 141 रन बनाये थे जिसका उन्हें लाभ मिला है। इसके अलावा भारत के ही रुतुराज गायकवाड़ सूची में एक स्थान नीचे आकर आठवे स्थान पर फिसल गये हैं। सीरीज में अभी भी ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर चल रहे हैं। जिम्बाब्वे दौरे में भारतीय टीम की कप्तानी करने वाले शुभमन गिल 36 स्थान के लाथ के साथ ही 37वें स्थान पर हैं। शुभमन ने पांच पारियों में 170 रन बनाये थे। गेंदबाजी रैंकिंग की बात करें तो कोई भी भारतीय गेंदबाजशीर्ष 10 में जगह नहीं बना पाया।

स्पिनर अक्षर पटेल चार स्थान के नुकसान से 13वें स्थान पर फिसल गए हैं। तेज गेंदबाज मुकेश कुमार और वाशिंगटन सुंदर को भी रैंकिंग में लाभ हुआ है। तीन मैच में आठ विकेट लेकर मुकेश कुमार 46वें स्थान पर पहुंच गए हैं, उन्हें 36 स्थान का लाभ हुआ है। जिम्बाब्वे सीरीज में आठ विकेट लेने वाले वाशिंगटन सुंदर 21 स्थान उछलीकर 73वें स्थान पर पहुंच गये हैं। इंग्लैंड के आदिल राशिद अभी टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों की नंबर एक पर हैं। उसके बाद दक्षिण अफ्रीका के एनरिच नोर्किया और श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा आते है। अंतरराष्ट्रीय ऑलराउंडर की सूची में भारत के हार्दिक पंडया चार स्थान नीचे खिसककर छठे स्थान पर पहुंच गये हैं। श्रीलंका के हसरंगा ऑलराउंडरों की सूची में शीर्ष पर चल रहे हैं। इसके अलावा भारत को कोई भी ऑलराउंडर शीर्ष 10 में शामिल नहीं है।

मेसी अब अगले माह ही मैदान पर वापसी कर सकेंगे

मियामी (ईएमएस)। अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम के कप्तान लियोनेल मेसी को उम्मीद है कि वह जल्द ही मैदान में वापसी करने में सफल होंगे। मेसी को रविवार को कोपा अमेरिका टूर्नामेंट के फाइनल में कोलंबिया के खिलाफ मैच में चोट लग गयी थी। इसके बाद उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा था। इस कारण उनके पैर में काफी सूजन भी आ गया था। मेसी को उम्मीद है कि वह टखने की चोट से शीघ्र ही उबर जाएंगे। अर्जेंटीना की जीत के जश्न के दौरान भी मेसी दर्द से परेशान दिखे। अब उनकी चोट की गंभीरता का पता मेडिकल जांच की रिपोर्ट से होगा। आमतौर पर टखने की चोट के कम से कम तीन सप्ताह की अवधि का समय लगता है। इससे माना जा रहा है वह अब अगले माह ही मैदान में उतरेंगे।

शेयर बाजार रिकार्ड स्तर पर पहुंचा , सेंसेक्स पहली बार 81 हजार के ऊपर निकला

निफ्टी भी 24,800 से ऊपर बंद

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को भारी उछाल के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही आईटी शेयरों में हुई जबरदस्त खरीददारी से आई है। आज कारोबार के दोरान 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स पहली बार 81,000 अंक के ऊपर पहुंचा। वहीं, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 50 इंट्राडे कारोबार में 24,800 से ऊपर निकल गया।

अंत में सेंसेक्स 626.91 अंक करीब 0.78 फीसदी ऊपर आकर 81,343.46 के शीर्ष स्तर पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर निफ्टी भी 187.85 अंक तकरीबन 0.76 फीसदी बढ़कर 24,800.85 के नए स्तर पर बंद हुआ। आज के कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 22 शेयर ऊपर आये। टीसीएस, बजाज फिनसर्व, एमएंडएम, इंफोसिस और टेक महिंद्रा के पांच शेयर सबसे लाभ में रहे। इसके अलावा, एचयूएल, एसबीआई, एचसीएल टेक, आईटीसी, कोटक बैंक, भारती एयरटेल, टाइटन, सन फार्मा, आईसीआईसीआई बैंक, रिलायंस, बजाज फाइनेंस, एलएंडटी, टाटा मोटर्स, नेस्ले इंडिया, एक्सिस बैंक, इंडसइंड बैंक और मारुति के शेयर ऊपर आये।

दूसरी तरफ सेंसेक्स के 8 शेयर नीचे ओय। एशियन पेंट्स, जएसडब्लू स्टील, एनटीपीसी, अदाणी पोर्ट्स और टाटा स्टील सेंसेक्स के सबसे अधिक नुकसान वाले पांच शेयर रहे। इसके अलावा, पावर ग्रिड, एचडीएफसी बैंक और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर नुकसान में रहे।

बाजार जानकारों के अनुसार दूसरे सत्र में फ्रंटलाइन इंडेक्स मजबूत हुए और आईटी शेयरों में नए सिरे से खरीदारी के कारण नई ऊंचाई पर पहुंच गए। बाजार गुरुवार को शुरुआती कारोबार में गिरावट के साथ खुले। बीएसई सेंसेक्स खुलते ही 111 अंक गिरकर 80,605 के स्तर पर आ गया, जबकि निफ्टी भी गिरावट के साथ 24,600 अंक से नीचे चला गया।

दूसरी ओर एशियाई शेयर बाजार आज सुबह बड़ी गिरावट के साथ खुले। जापान का निक्केई 2 फीसदी से अधिक गिर गया जबकि कोस्पी और ताइवान 1 फीसदी नीचे थे।

आगामी बजट में मिडिल क्लास को बड़ी सौगात दे सकती है सरकार

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के शहरी इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए सरकार पीएम आवास योजना को बढ़ाना चाहती है। सरकार शहरों में रहने वाले मध्यम वर्गीय परिवारों की आय सीमा को घटाकर ज्यादा से ज्यादा लोगों को इस योजना का लाभ देने पर विचार कर रही है। इसके साथ ही सरकार इसे सही तरह से अमल में लाने के लिए एक बार की जगह पांच साल के लिए सब्सिडी दिया जाएगा। हालांकि सब्सिडी की राशि को लेकर सरकार चुप है। वहीं सूत्रों की मानें तो सरकार अंतिम चरण में दी गई राशि को ही इस बार भी देने की तैयारी कर रही है। पिछली बार इस योजना के तहत 2.6 लाख रुपये दिए गए थे।

आगामी 23 जुलाई को आने वाले बजट में ऐसी संभावना है कि सरकार इस योजना को अमल में लाए। वर्तमान समय में इस योजना में इनकम लिमिट 18 लाख रुपये है। लेकिन सरकार इस लिमिट को घटाकर 10 लाख रुपये करना चाहती है। अभी तक यह योजना दो चरणों में चल रही थी। पहले चरण में सरकार जिनकी आय 6 लाख से 12 लाख रुपये के बीच हैं तथा जिन परिवार की आय 12 लाख से लेकर 18 लाख के बीच है।

सोना बढ़कर 74,450, चांदी लगभग 92,350 रुपए

नई दिल्ली (ईएमएस)। सोने-चांदी के वायदा कारोबार में गुरुवार के ?दिन तेजी देखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव गुरुवार को तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 74,450 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 92,350 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। सोने के वायदा भाव ने घरेलू वायदा बाजार में बुधवार को 74,471 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छुआ था। वै?श्विक बाजार में सोने के वायदा गिरावट के साथ खुले। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 227 रुपये की तेजी के साथ 74,364 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 286 रुपये की तेजी के साथ 74,423 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत आज तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 358 रुपये की तेजी के साथ 92,300 रुपये पर खुला। इस समय यह 397 रुपये की तेजी के साथ 92,339 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वै?श्विक बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2462.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,459.90 डॉलर प्रति औंस था। ?फिलहाल यह 11.50 डॉलर की तेजी के साथ 2,471.40 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 30.50 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव भी 30.37 डॉलर था। ?फिलहाल यह 0.25 डॉलर की तेजी के साथ 30.62 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

आईटीआर भरने की आखिरी तारीख 31 जुलाई

- आख़िरी तारीख ?बीतने के बाद देना होगा 5 से 10 हजार तक जुर्माना

नई दिल्ली (ईएमएस)। इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने का आखिरी तारीख 31 जुलाई 2024 तक है। अगर आपने 31 जुलाई तक अपना आईटीआर नहीं फाइल किया तो आपको जुर्माना भरना पड़ सकता है। आपको बता दें कि समय पर आईटीआर भरने के कुछ बड़े फायदे भी होते हैं। अगर आप 31 जुलाई के बाद आईटीआर फाइल करते हैं और आपकी इनकम 5 लाख रुपए से ज्यादा है तो आपको 5 हजार रुपए पेनल्टी देनी होगी। वहीं अगर आपकी आय 5 लाख रुपए से कम है तो आपके 1 हजार रुपए जुर्माना देना होगा। अगर आप 31 दिसंबर 2024 के बाद आईटीआर दाखिल करेंगे तो आपको 10 हजार रुपए जुर्माना देना होगा। इसके अलावा अगर आपने आईटीआर दाखिल करते समय अपनी इनकम की गलत जानकारी दी है तो भी आप पर टैक्स डिपार्टमेंट की तरफ से जुर्माना लगाया जाएगा। कम इनकम दिखाने पर 50 फीसदी तक और गलत जानकारी देने पर 200 प्रतिशत तक पेनल्टी लगाई जा सकती है। इसके अलावा आखिरी तारीख तक अगर आईटीआर दाखिल नहीं ?किया तो आपको इनकम टैक्स फाइल करने के दौरान मिलने वाले रिफंड में देरी हो सकती है। सीबीडीटी के आंकड़ों के मुताबिक, 14 जुलाई तक लगभग 2.7 करोड़ आईटीआर दाखिल हुए है, जो पिछले साल की समान अवधि के दौरान दाखिल रिटर्न की तुलना में 13 फीसदी ज्यादा है। वित्त वर्ष 2023-24 के लिए एक करोड़ आईटीआर का माइलस्टोन 23 जून को पहुंचा था। वहीं 2 करोड़ का माइलस्टोन 7 जुलाई को पार हुआ था। पिछले साल से इसकी तुलना करें तो वित्त वर्ष 2022-23 में 26 जून तक एक करोड़ और 11 जुलाई तक 2 करोड़ आईटीआर फाइल हुए थे। वित्त वर्ष 2022-23 के लिए 31 जुलाई 2023 तक कुल 6.91 करोड़ रिटर्न दाखिल किए गए थे। 31 मार्च 2024 तक यह संख्या बढ़कर 8.62 करोड़ हो गई। वहीं इस साल पहली बार, टैक्स डिपार्टमेंट ने टैक्सपेयर्स को नए वित्त वर्ष के पहले दिन रिटर्न दाखिल करने की अनुमति दी थी।

बैंक के सेविंग अकाउंट में मोटी रकम जमा होने पर आ सकता है इनकम टैक्स का नोटिस?

नई दिल्ली(ईएमएस)। सेविंग अकाउंट में पैसे रखने की कोई सीमा भले ही न हो, लेकिन अगर आप एक वित्त वर्ष में 10 लाख रुपये से अधिक जमा करते हैं, तो इसकी जानकारी बैंक सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्सेज को देते हैं। यही नियम एफडी में कैश डिपॉजिट, म्यूचुअल फंड, बॉन्ड, और शेयरों में निवेश पर भी लागू होता है। लाइव मिंट की एक रिपोर्ट के अनुसार टैक्स और निवेश सलाहकार का कहना है कि सेविंग अकाउंट में कोई भारतीय कितना भी पैसा रख सकता है। बचत खाते में पैसा जमा कराने पर आयकर कानून या बैंकिंग रेगुलेशन्स में कोई सीमा निर्धारित नहीं की गई है। बैंक के सेविंग अकाउंट पर रखी राशि पर जो ब्याज बनता है, उस पर बैंक अकाउंट होल्डर को टैक्स देना होता है।

बैंक 10 फीसदी टीडीएस ब्याज पर काटता है। बलवंत जैन का कहना है कि ब्याज पर टैक्स चुकाना होता है लेकिन, इस पर भी टैक्स कटौती का लाभ लिया जा सकता है। आयकर अधिनियम की धारा 80 टीटीए के अनुसार सभी व्यक्ति 10 हजार तक की टैक्स छूट प्राप्त कर सकते हैं। अगर ब्याज 10 हजार रुपये से कम बना होगा तो टैक्स नहीं चुकाना होगा। इसी तरह 60 साल से ज्यादा उम्र के अकाउंट होल्डर को 50 हजार रुपये तक के ब्याज पर टैक्स नहीं देना होता है।

अगर कोई खाताधारक सेविंग अकाउंट में एक वित्त वर्ष में 10 लाख रुपये से अधिक जमा करता है तो इनकम टैक्स डिपार्टमेंट पैसे स्त्रोत पूछ सकता है। अगर खाताधारक से जवाब से संतुष्ट नहीं हुआ, तो जांच भी कर सकता है। जांच में पैसे का स्त्रोत गलत पाए जाने पर इनकम टैक्स डिपार्टमेंट जमा रकम पर 60प्रतिशत टैक्स, 25 प्रतिशत सरचार्ज, और 4प्रतिशत सेस लगा सकता है।बैंक अकाउंट में पैसा न सिर्फ सुरक्षित रहता है, बल्कि उस पर ब्याज भी मिलता है। भारत में पिछले कुछ वर्षों में एक बड़ी आबादी बैंकिंग सिस्टम से जुड़ी है। खास बात यह है कि भारत में सेविंग अकाउंट खुलवाने की कोई लिमिट नहीं है। यानि एक व्यक्ति कितने भी बचत खाते खोल सकता है। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि सेविंग अकाउंट में एक आदमी कितना पैसा रख सकता है। यानी, आप सेविंग अकाउंट में चाहे जितना पैसा जमा कर सकते हैं। हां, जीरो बैलेंस खाते को छोड़कर अन्य सभी सेविंग बैंक अकाउंट्स में मिनिमम बैलेंस रखना अनिवार्य है।

जापान का व्यापार घाटा घटकर 21अरब डॉलर हो गया

तोक्यो (ईएमएस)। जापान में जून महीने में व्यापार अधिशेष सालाना आधार पर पांच गुना बढ़कर 224 अरब येन (1.4 अरब डॉलर) हो गया। वित्त मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी ?किए गए आंकड़ों के अनुसार इस वर्ष की पहली छमाही में जापान का व्यापार घाटा पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में आधे से अधिक घटकर 3230 अरब येन (21 अरब डॉलर) रह गया। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले येन की कमजोरी ने हाल के महीनों में जापान के निर्यात को बढ़ावा देने में मदद की है। वाहनों तथा कंप्यूटर चिप के बढ़ते निर्यात से जून में व्यापार अधिशेष एक साल पहले की तुलना में पांच गुना बढ़कर 224 अरब येन या 1.4 अरब डॉलर हो गया। कमजोर येन जापान के आयात के लिए नकारात्मक माना जाता है, खास तौर पर मुद्रास्फीति के रुझान और बढ़ती ऊर्जा लागत के बीच। संसाधन-विहीन जापान अपनी करीब पूर्ण ऊर्जा जरूरत आयात करता है। जापान ने लगातार छह वित्तीय छमाही में व्यापार घाटा दर्ज किया जिसकी शुरुआत 2021 की अंतिम छमाही से हुई। इसका मुख्य कारण कमजोर येन और बढ़ती वैश्विक कीमतें रहीं। जापान एक अप्रैल से 31 मार्च के वित्त वर्ष का अनुसरण करता है। आंकड़ों के अनुसार, जून महीने में आयात तीन प्रतिशत बढ़कर 8980 अरब येन (58 अरब डॉलर) हो गया, जबकि निर्यात पांच प्रतिशत बढ़कर 9200 अरब येन (59 अरब डॉलर) रहा।

प्लैटिनम व अन्य धातुएं मिलाकर हो रहा सोने का आयात, सरकार को सालाना63 ,375करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्लैटिनम और दूसरी धातुएं मिलाकर, इनने बनाई गई वस्तुओं को कम आयात शुल्क चुकाकर सोना आयात किया जा रहा है। इन अलॉय उत्पादों को गलाकर सोना निकाला जा रहा है और उसे डिस्काउंट पर बेचा जा रहा है। इस शिकायत के साथ ऑल इंडिया जूलर्स एंड गोल्डस्मिथ फेडरेशन (एआईजेजीएफ) ने वा?णिज्य मंत्रालय को पत्र लिखकर मांग की है कि जिन चीजों में 5 फीसदी से अधिक सोना मिला हो, उनके लिए अलग आयात शुल्क तय ??किए जाएं। कीमती धातुओं के डयूटी स्ट्रक्चर को लेकर थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव ने भी चिंता जताई है। एआईजेजीएफ के एक व?रिष्ठ अ?धिकारी ने कहा कि हाल के दिनों में प्लैटनिम अलॉय का आयात काफी बढ़ा है, जिसमें असल में 88 प्र?तिशत तक गोल्ड मिला होता है। गोल्ड पर आयात शुल्क 15 फीसदी है, लेकिन ऐसे अलॉय पर 5 फीसदी है। इसमें टेक्निकल तौर पर हो सकता है कि कुछ भी गलत न हो, लेकिन यह टैरिफ रेगुलेशंस को किनारे करने वाली बात है। इससे सरकार को राजस्व का नुकसान भी हो रहा है। उन्होंने कहा ?कि इसके जरिए इंपोर्टेड गोल्ड की कॉस्ट आर्टिफिशियल तरीके से घटाई जाती है और इसका बुरा असर डोमेस्टिक गोल्ड इंडस्ट्री पर पड़ रहा है क्योंकि ऐसी हरकत करने वाले बुलियन डीलर रिफाइंड गोल्ड बेचते समय डिस्काउंट दे रहे हैं। इससे वैध तरीके से सोना आयात करने वालों के लिए मुश्किल हो रही है। फेडरेशन ने वा?णिज्य मंत्री पीयूष गोयल से मांग की है कि 5 फीसदी से अधिक गोल्ड कंटेंट वाले किसी भी आइटम के लिए उसमें गोल्ड कंटेंट के आधार पर एक अलग आयात शुल्क तय ?किए जाए।

ये लो.....आमने-सामने होगी भारत और इजराइल की मिसाइल

येरेवन (ईएमएस)। भारत और इजरायल के बेहद अच्छे संबंध हैं। लेकिन दोनों दोस्तों के हथियार भविष्य में आमने सामने आ सकते हैं। दरअसल आर्मेनिया ने भारत की प्रलय मिसाइल में दिलचस्पी दिखाई है। कथित तौर पर आर्मेनिया इजरायल की एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज द्वारा तैयार लॉन्ग रेंज आर्टिलरी बैलिस्टिक मिसाइलों का मुकाबला करना चाहता है, जो उसके कट्टर दुश्मन अजरबैजान ने खरीदी है।

रिपोर्ट के मुताबिक लॉन्ग रेंज आर्टिलरी का मुकाबला करने के लिए आर्मेनिया भारत की प्रलय मिसाइल खरीद सकता है। फिलिपींस को ब्रह्मोस निर्यात के बाद अगर आर्मेनिया को प्रलय मिसाइल भारत बेच पाता है, तब यह पूरी दुनिया में डीआरडीओ की छवि मजबूत करेगा। ब्रह्मोस की तुलना में प्रलय मिसाइल में स्वदेशी सामग्री का प्रतिशत ज्यादा है। इसलिए इसके निर्यात से भारत की कमाई भी ज्यादा होगी। लॉन्ग रेंज आर्टिलरी की रेंज 400 किलोमीटर है और टर्मिनल मार्गदर्शन के लिए जीपीएस का इस्तेमाल किया जा सकता है। यह अपने टार्गेट से 10 मीटर तक चूक सकता है।

प्रलय मिसाइल एक मोबाइल कनस्तर-आधारित सतह से सतह पर मार करने वाली शॉर्ट रेंज बैलिस्टिक मिसाइल है, जिसकी मारक क्षमता 150-500 किलोमीटर है। इस डीआरडीओ की बीएमडी प्रणाली की पृथ्वी एडी मिसाइल से विकसित किया गया था। मिसाइल जड़त्वीय मार्गदर्शन का उपयोग करके टार्गेट तक पहुंचती है। इस मिसाइल में स्वदेशी रूप से विकसित फ्यूज्ड सिलिका रडार डोम लगा है।

कई मायनों में प्रलय मिसाइल रूस की इस्कंदर मिसाइल का एक रूप माना जा सकता है। इस्कंदर मिसाइल रूस के लिए यूक्रेन के खिलाफ काफी कारगर साबित हुई है। इसकी रेंज लगभग समान है। दोनों ही अपने टार्गेट से 10 मीटर तक की ही चूक कर सकती है। भारत भी प्रलय मिसाइल का इस्तेमाल करता है। दिसंबर 2022 में आई रिपोर्ट में कहा गया था कि रक्षा मंत्रालय ने 120 प्रलय मिसाइल खरीदने की मंजूरी सेना को दे दी है। प्रलय मिसाइल ठोस प्रोपेलेंट रॉकेट मोटर से चलता है। यह कभी वायुमंडल नहीं छोड़ता और एक सपाट ट्रैजेक्टरी से उड़ता है। इसका वजन 5 टन है, जिसमें से लगभग 3 टन प्रोपेलेंट का होता है। आर्मेनिया इजरायल की एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज द्वारा तैयार लॉन्ग रेंज आर्टिलरी बैलिस्टिक मिसाइलों का मुकाबला करना चाहता है, जो उसके कट्टर दुश्मन अजरबैजान ने खरीदी है।

हार्दिक नहीं, सूर्यकुमार होंगे श्रीलंका दौरे पर टी20 के कप्तान, जानें किन खिलाड़ियों को मिला मौका

नई दिल्ली, भारत और श्रीलंका के बीच 27 जुलाई से शुरू होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम की गुरुवार को घोषणा हो गई। सूर्यकुमार यादव को इस टीम का कप्तान बनाया गया है।

भारत और श्रीलंका के बीच 27 जुलाई से शुरू होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम की गुरुवार को घोषणा हो गई। सूर्यकुमार यादव को इस टीम का कप्तान बनाया गया है। वहीं, रोहित शर्मा वनडे टीम की कप्तानी संभालते नजर आएंगे। विराट कोहली भी इस दौरे पर वनडे सीरीज का हिस्सा होंगे। इस दौरे पर दोनों सीरीज के लिए शुभमन गिल को उप-कप्तान बनाया गया है।

टी-20 वर्ल्ड कप की चैम्पियन टीम के तीन खिलाड़ी विराट कोहली, रोहित शर्मा और रवींद्र जडेजा संन्यास ले चुके हैं। इनके अलावा बुमराह को भी इस सीरीज से आराम दिया गया है। वहीं, कुलदीप यादव और युजवेंद्र चहल को भी टी-20 टीम में जगह नहीं मिली है। चहल को वनडे टीम में भी जगह नहीं मिली है। वहीं, कुलदीप यादव वनडे टीम का हिस्सा होंगे।

शुभमन गिल की कप्तानी में जिम्बाब्वे को 4-1 से हराने वाली टीम के नौ खिलाड़ी श्रीलंका दौरे पर टी-20 टीम का हिस्सा होंगे। हालांकि, इस दौरे में शतक लगाने वाले अभिषेक शर्मा और ऋतुराज गायकवाड़ टीम में जगह नहीं बना सके हैं। अभिषेक और ऋतुराज के अलावा मुकेश कुमार, आवेश खान, ध्रुव जुरेल, तुषार देशपांडे, हर्षित राणा, जीतेश शर्मा और साई सुदर्शन भी श्रीलंका दौरे के लिए टीम में जगह नहीं बना सके हैं।

टीम इंडिया के मुख्य कोच का पदभार संभालने के बाद पहली बार गौतम गंभीर श्रीलंका दौरे पर जाएंगे। उनकी कोचिंग में भारत इस सीरीज को हर हाल में जीतना चाहेगी। इससे पहले टीम इंडिया ने जिम्बाब्वे के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में 4-1 से जीत दर्ज की थी। हालांकि, इस दौरे पर वीवीएस लक्ष्मण मुख्य कोच की भूमिका अदा करते नजर आए थे। गिल के नेतृत्व में भारत ने यह सीरीज अपने नाम की थी। इसका उन्हें अब फल मिला है। गिल को टी20 और वनडे दोनों दौरों पर उप-कप्तान बनाया गया है।

भारत और श्रीलंका के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज का 27 जुलाई से होगा। भारतीय टीम इस दौरे के लिए 20 तारीख के बाद रवाना हो सकती है। हालांकि, बीसीसीआई की तरफ से अब तक इसको लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। दूसरा 28 और तीसरा मुकाबला 30 जुलाई को खेला जाएगा

टी20 टीमः सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, रिंकू सिंह, रियान पराग, ऋषभ पंत

हिजबुल्ला की धमकी, इजराइल नागरिकों की हत्या करना बंद करे नहीं तो मचा देंगे तबाही

तेल अवीव,(ईएमएस)। गाजा में इजरायल और हमास का युद्ध जारी है। इस बीच हिजबुल्ला के नेता हसन नसरल्लाह ने इजरायल को धमकी दी है कि अगर इजरायल लेबनान में नागरिकों की हत्या करना बंद नहीं करेगा तो वह नए इजरायली ठिकानों पर हमला करेगा और तबाही मचा देंगे। नसरल्लाह ने हाल के दिनों में लेबनान में मारे गए नागरिकों को बढ़ती संख्या को बताया। मंगलवार को लेबनान में इजरायली हमलों में पांच नागरिक मारे गए,

वैज्ञानिकों ने खोजा विशाल ग्रह जिस पर महासागर होने की संभावना, पृथ्वी से करोड़ों किमी दूर मिला एलियन प्लैनेट

न्यूयार्क (ईएमएस)। अमेरिकी वैज्ञानिकों ने ऐसे ग्रह का पता लगाने का दावा किया है जिस पर पृथ्वी की तरह विशाल महासागर होने की संभावना है। वैज्ञानिकों का यह दावा अगर यह सही साबित होता है, तो हमें हमारे सौरमंडल के बाहर एक और ऐसा ग्रह मिल जाएगा, जहां जीवन मुमकिन है।

नासा के जेम्स वेब स्पेस टेलिस्कोप की बदौलत वैज्ञानिकों ने इस ग्रह को खोजा है। अब तक सौरमंडल के बाहर 5,000 से अधिक ग्रह खोजे जा चुके हैं, लेकिन उनमें से केवल कुछ ही ग्रह 'गोल्डीलॉक्स ज़ोन' में हैं, जहां पानी हो सकता है, जो जीवन के लिए एक प्रमुख तत्व है। 'गोल्डीलॉक्स ज़ोन' से मतलब ऐसे स्थानों से है, जो ना तो बहुत गर्म हो और ना बहुत ठंडा।नासा के जेम्स टेलिस्कोप ने जिस ग्रह को खोज निकाला है, उसे 'एक्सोप्लैनेट एलएचएस 1140 बी' का नाम दिया गया है। बताया जा रहा है यह अब तक मिले कुछ रहने योग्य क्षेत्र में से एक है और 2017 में पहली बार खोजे जाने के बाद से इसकी गहन जांच की गई है। यह 'एक्सोप्लैनेट' पृथ्वी से 48 प्रकाश वर्ष दूर है, जो 450 ट्रिलियन किलोमीटर (280 ट्रिलियन मील) से अधिक के बराबर है। हालांकि, अंतरिक्ष की विशाल दूरी से तुलना करें, तो इसे करीब ही माना जाएगा।

एक्सोप्लैनेट को 'मिनी-नेपच्यून' नामक एक छोटे गैस का विशालकाय ग्रह माना जाता था, जिसका वातावरण हाइड्रोजन और हीलियम से इतना घना था कि यहां एलियन जीवन भी संभव था।हालांकि, वेब टेलीस्कोप के नए अवलोकनों ने पुष्टि की है कि एक्सोप्लैनेट वास्तव में एक चट्टानी 'सुपर-अर्थ' है। एक स्टडी के अनुसार, यह पृथ्वी से 1.7 गुना बड़ा है, लेकिन इसका द्रव्यमान 5.6 गुना है। वेब टेलीस्कोप ने ग्रह के तारे के सामने से गुजरते समय एक्सोप्लैनेट के वातावरण का विश्लेषण किया। वहां हाइड्रोजन या हीलियम का कोई संकेत नहीं था, जिससे यह पता चलता है कि ग्रह एक मिनी-नेप्च्यून था।

फिलीपींस, भारत से लैंड अटैक ब्रह्मोस मिसाइल खरीदेगा, चीन की तरह करेगा तैनात

फिलीपींस,(ईएमएस)। फिलीपींस अब भारत से लैंड अटैक ब्रह्मोस मिसाइल भी खरीदेगा उसे चीन की तरफ तैनात करेगा। चीन लगातार समंदर में फिलीपींस पर बुरी नजर डाल रहा है। इसलिए फिलीपींस की तरफ से ये बात सामने आई है। फिलीपींस के मरीन कॉर्प्स का प्लान है कि वह अगले दो साल में भारत से दो और ब्रह्मोस बैटरी खरीदेगा। इन मिसाइलों को दक्षिण चीन सागर की तरफ मुंह करके तैनात करेगा। फिलहाल फिलीपींस के पास जो ब्रह्मोस मिसाइल सिस्टम है, उसमें तीन बैटरी है। हर बैटरी में चार लॉन्चर हैं। सबमें तीन मिसाइलें हैं इनकी रेंज 290 किलोमीटर है।

फिलीपींस सेना जमीन से हमला करने वाली ब्रह्मोस मिसाइल और नौसेना के लिए और मिसाइलें खरीदने की तैयारी कर रही है। इससे भारत के रक्षा उद्योग को बढ़ावा मिलेगा साथ ही चीन की हिम्मत कम होगी कि वह फिलीपींस पर हमला नहीं कर सकेगा। चीन को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए फिलीपींस ने दक्षिण चीन सागर की ओर दुनिया की सबसे तेज सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस का पहला बेस बना दिया है। फिलिपींस जब चाहे तब चीन के युद्धपोतों, ड्रोन्स, विमानों आदि को निशाना बना सकता है। यह बेस फिलीपींस के पश्चिमी लुज़ॉन में है।

चीन की हरकतों से परेशान फिलीपींस ने भारत से मदद ली। इसने भारत से 2022 में 3131 करोड़ रुपए की डील की थी। दो साल बाद भारत ने फिलीपींस को दुनिया की सबसे तेज क्रूज मिसाइल सौंप दी है। फिलीपींस आकार में भारत से 996प्रतिशत छोटा है। आबादी मात्र 11.46 करोड़ है। फिलीपींस ने भारत से हासिल की मिसाइलों को ऐसी जगहों पर तैनात कर रहा है, जहां से चीन के हमलों का करारा जवाब दिया जा सके। ब्रह्मोस के मिलने के बाद फिलीपींस की सैन्य ताकत में कई गुना इजाफा हो गया है। फिलिपींस अपनी समुद्री सीमा ताइवान, जापान, पलाऊ, इंडोनेशिया, मलेशिया, वियतनाम और चीन के साथ बांटता है। यह दुनिया का 12वां सबसे ज्यादा आबादी वाला देश है।

चीनी वायुसेना ने किया ये कारनामा....भारत और अमेरिका चिंतित

बीजिंग (ईएमएस)। अमेरिका को चुनौती देने की राष्ट्रपति शी जिनपिंग की योजना को साकार करने के लिए चीन की पीपल्स लिबलेरशन आर्मी (पीएलए) अपनी ताकत बढ़ाने जुटी है। इसके तहत पीएलए की एयर फोर्स ने पहली बार अपने परमाणु सक्षम शीआन एच-6के बमवर्षक विमानों को चार आधुनिक वॉयजे-21 हाइपरसोनिक मिसाइल से लैस करने का दावा किया है। मिसाइलों को दक्षिणी थिएटर कमांड की वायु सेना से जुड़ी एक रेजीमेंट से जुड़े एच-6के बॉम्बर पर तैनात देखा गया था। चीन के परमाणु बॉम्बर के हाइपरसोनिक मिसाइल से लैस होने के बाद अमेरिका और भारत दोनों की चिंता बढ़ने वाली है।

चीनी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पीएलए के दक्षिणी थिएटर कमांड के अकाउंट से बताया गया है कि बॉम्बर ने कथित तौर पर देर रात के अभ्यास में हिस्सा लिया था। एच-6के बमवर्षक विमान इसके पहले सबसोनिक और सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों को ले जाने की क्षमता का प्रदर्शन कर चुका है। अब पहली बार बमवर्षक पर हवा से मार करने वाली हाइपरसोनिक मिसाइल तैनात की गई है।

हाइपरसोनिक मिसाइल की फ्लाइंग स्पीड मैक 6 है और यह मैक 10 की टर्मिनल स्पीड पर पहुंचती है। यह 1500 किलोमीटर की दूरी तक मार कर सकती है, जो इसकी लंबी दूरी की क्षमता को प्रदर्शित करती है।

चीनी रक्षा एक्सपर्ट ने बताया कि चूंकि यह मिसाइल बॉम्बर एच-6के पर तैनात दूसरे हथियारों की तुलना में बड़ी और भारी है। इसके बाद यह अनुमान लगाया जा रहा था कि यह केवल दो मिसाइलों को ही ले जा पाएगा, लेकिन नई फोटो ने आशंकाओं को खारिज कर दिया है। एक्सपर्ट ने बताया कि एच-6के की नई तस्वीरों से पता चलता है कि बॉम्बर में पेलोड ले जाने की पर्याप्त क्षमता है और इसके पंखों में चार वाईजे-21 मिसाइलों को ले जाने की पर्याप्त क्षमता है।

राफा क्रॉसिंग को फिर खोलने के लिए क्यों तैयार नहीं हुआ फिलिस्तीन

रामल्लाह (ईएमएस)। फिलिस्तीन ने इजरायल की वापसी के बिना राफा क्रॉसिंग को फिर से खोलने के प्रस्ताव को खारिज किया है। सूत्र के अनुसार पिछले सप्ताह मिस्र और गाजा पट्टी के बीच राफा सीमा क्रॉसिंग के संचालन की संभावना का पता लगाने के लिए फिलिस्तीन, अमेरिका और इजरायल के प्रतिनिधियों की एक बैठक हुई थी।

सूत्र ने कहा कि इजरायली पक्ष ने प्रस्ताव दिया कि छह फिलिस्तीनी कर्मचारी बिना वर्दी या पुलिस के और फिलिस्तीनी झंडा फहराए बिना क्रॉसिंग के प्रबंधन में भाग लें। सूत्र ने बताया कि प्रस्ताव को इसलिए खारिज किया, क्योंकि इसका उद्देश्य फिलिस्तीनी संप्रभुता के बिना अस्थायी रूप से क्रॉसिंग को खोलना था जो फिलिस्तीनी स्थिति और अंतर्राष्ट्रीय समझौतों के विपरीत है। सूत्र के अनुसार फिलिस्तीनी रुख राफा क्रॉसिंग पर 2005 के समझौते के अनुरूप है जिसके लिए फिलिस्तीनी संप्रभुता, यूरोपीय भागीदारी और क्रॉसिंग से इजरायल की पूरी तरह वापसी की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इजरायल-अमेरिका के प्रस्ताव को फिलिस्तीनियों द्वारा खारिज किए जाने के बाद बैठक समाप्त हो गई और बैठक के बाद कोई और बातचीत नहीं हुई।

केरल में भारी बारिश से बाढ़ जैसे हालात, इन जिलों के लिए जारी किया रेड अलर्ट

कोझिकोड। केरल के कई हिस्सों में भारी बारिश का दौर जारी है, जिसके कारण सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। वहीं, मौसम विभाग ने राज्य के तीन जिलों में भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। वायनाड, कन्नूर और कासरगोड जिलों के कई हिस्सों में भारी बारिश के कारण बाढ़ जैसी स्थिति हो गई है। इन जिलों में पेड़ उखड़ने, संपत्ति को नुकसान और भूस्खलन की घटनाएं सामने आई है।

वहीं, बारिश के कारण रेड अलर्ट वाले जिलों में प्रशासन ने कल के लिए शैक्षणिक संस्थानों में अवकाश घोषित कर दिया है। वहीं, पलक्कड़ जिले में एक स्कूल बस नहर में गिर गई। हालांकि, इसमें सवार सभी बच्चों को सुरक्षित बचा लिया गया। राज्य में भारी बारिश के कारण कई लोगों को विस्थापित भी होना पड़ा है। जिला प्रशासन ने बताया कि कन्नूर में भारी बारिश के कारण 80 लोगों को राहत शिविरों में भेजा गया है।

चीन के हेनान में बाढ़ से हालात हुए खराब, बीजिंग में हाई अलर्ट -24 घंटे में लगभग एक साल की बारिश हो गई

बीजिंग (ईएमएस)। चीन के हेनान प्रांत के एक छोटे शहर में अचानक बाढ़ आ गई। ऐसा इसलिए क्योंकि यहां 24 घंटे में लगभग एक साल की बारिश हो गई। चरम मौसम की घटना दक्षिणी चीन से मध्य और उत्तरी प्रांतों की ओर बढ़ रहे तूफानों के बदलते पैटर्न का हिस्सा है। स्थानीय अधिकारी हाई अलर्ट पर हैं। राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमानकर्ताओं की रिपोर्ट के मुताबिक नानयांग शहर की सीमा के भीतर एक शह दार्फेगयिंग में एक ही दिन में 606.7 मिमी (24 इंच) बारिश दर्ज की गई। यह मात्रा क्षेत्र की औसत वार्षिक वर्षा 800 मिमी के लगभग बराबर है। यह घटना की असाधारण प्रकृति दिखाती है। गंभीर मौसम को देखते हुए हेनान प्रांत के अधिकारियों ने नानयांग के लिए सबसे कड़े बाढ़ नियंत्रण उपाय लागू किए। मंगलवार देर रात तक भारी बारिश से उस क्षेत्र के प्रभावित होने की उम्मीद है जहां हेनान, शेडोंग और अनहुई प्रांत से मिलता है। चरम मौसम हेनान तक ही सीमित नहीं है। तूफान और अचानक बाढ़ की पूर्व चेतावनी जारी करने के बाद बीजिंग ने कई उपनगरीय ट्रेन लाइनों को अस्थायी रूप से बंद कर दिया हैं। उत्तर-पश्चिमी प्रांत गांसु के कांग काउंटी ने बारिश के लिए रेड अलर्ट जारी किया। भारी बारिश के कारण बाढ़ की चेतावनी दी गई है। मौसम के मिजाज में इस अचानक बदलाव से एक महीने पहले उत्तरी चीन में सूखी जैसी स्थिति देखी गई थी। जबकि दक्षिणी प्रांतों में अप्रैल से जून तक रेकॉर्ड बारिश हुई। अचानक इस तरह का बदलाव मौसम में परिवर्तन को दिखाता है। चीन के सबसे लंबे जलमार्ग यांग्त्जी नदी के जल स्तर पर अधिकारी बारीकी से नजर रखे हुए हैं। जैसे-जैसे चीन इन चरम मौसम की घटनाओं से जूझ रहा है, बढ़ी हुई आपदा तैयारियों और जलवायु अनुकूलन रणनीतियों की जरूरत तेजी से बढ़ने लगी है। चीन के अतिरिक्त अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भारत, नेपाल में भी बाढ़ देखी गई है। 15 और 16 जुलाई को भारी बारिश के कारण अफगानिस्तान में बाढ़ देखी गई। इसमें अब तक 40 लोगों की मौद हो चुकी है और 251 घायल हुए हैं।

नासा के चंद्र मिशन को लगा झटका, वजह आर्थिक स्थिति बिगड़ी?

वॉशिंगटन(ईएमएस)। नेशनेल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन यानी नासा ने गुरुवार को चंद्रमा पर रोवर उतारने के मिशन को रद्द करने की घोषणा की। इसके पीछे एक ही कारण बताया जा रहा है कि नासा की आर्थिक स्थिति खराब हो गई है। हालांकि इसके लिए अंतरिक्ष एजेंसी ने लागत में वृद्धि और प्रक्षेपण में देरी का हवाला दिया। एजेंसी के चंद्रमा पर खोज के कार्यक्रम के लिए इसे बड़ा झटका माना जा रहा है। नासा के मुताबिक वह इस मिशन के विकास पर अब तक करीब 450 मिलियन डॉलर खर्च कर चुका है।

रोवर को एस्ट्रोबोटिक टेक्नोलॉजी की ओर से प्रदान किए गए लैंडर पर 2023 में लॉन्च करने की योजना थी। लेकिन, 2022 में नासा ने 2024 के अंत तक लॉन्च में देरी की बात कही, ताकि ग्रिफिन लैंडर व्हीकल के प्रीफ्लाइट टेस्ट के लिए ज्यादा समय मिल सके। इसके बाद लॉन्च की तारीख सितंबर 2025 तक बढ़ा दी गई। जबकि, मिशन की लागत बढ़कर 606.6 मिलियन डॉलर होने का अनुमान लगाया गया।नासा के विज्ञान मिशन निदेशालय के सहयोगी प्रशासक निकी फॉक्स ने कहा, इस तरह के फैसले आसान नहीं होते। लेकिन इस मामले में वीआईपीईआर (वोलाटाइल्स इन्वेस्टिगेटिंग पोलार एक्सप्लोरेशन रोवर) के लिए अनुमानित शेष खर्चों के चलते कई अन्य मिशनों को या तो रद्द करना पड़ता या उन्हें रोकना पड़ता। नासा के आर्टेमिस चंद्र रोवर (वीआईपीईआर) का लक्ष्य चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर बर्फ और अन्य संसाधनों का पता लगाना था। विज्ञान मिशन निदेशालय में अन्वेषण के उप सहायक प्रशासक जोएल क्रियर्न्स ने कहा, रोवर को पूरी तरह से तैयार किया गया था। लेकिन ऐसे परीक्षण नहीं हुए थे जो प्रमाणित कर सके कि यह प्रक्षेपण का सामना कर सकता है।

भारत अपने राष्ट्र हित खुद तय करता हैः रुसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव

मॉस्को(ईएमएस)। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा है कि भारत अपने राष्ट्रीय हितों को आगे बढ़ाने वाली एक महान शक्ति है और मॉस्को के साथ उसके संबंधों को लेकर उस पर पूरी तरह से अनुचित दबाव बनाया जा रहा है। उन्होंने संवाददाता सम्मेलन में कहा, भारत एक महान शक्ति है, अपने राष्ट्रीय हितों को खुद तय करता है, अपने दोस्त खुद चुनता है, और हम जानते हैं कि भारत पर पूरी तरह से अनुचित दबाव डाला जा रहा है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने प्रधानमंत्री मोदी की मास्को यात्रा के दौरान कहा था, हमने भारत के रूस के साथ संबंधों के बारे में अपनी चिंताओं को स्पष्ट रूप से व्यक्त किया है। भारत एक रणनीतिक साझेदार है जिसके साथ हम स्पष्ट बातचीत करते हैं, और इसमें रूस के साथ संबंधों के बारे में हमारी चिंताएं भी शामिल हैं।

लावरोव ने भारत के विदेश मंत्री द्वारा रूस से ऊर्जा उत्पाद खरीदने के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, मेरे सहयोगी सुब्रह्मण्यम जयशंकर ने पश्चिमी देशों के दौरे के बाद रूस से अधिक तेल खरीदने के सवालों के जवाब में आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा था कि पश्चिमी देश भी रूस से गैस खरीद रहे हैं, प्रतिबंधों के बावजूद। लावरोव ने कहा, और फिर उन्होंने कहा था कि भारत खुद तय करेगा कि उसे किसके साथ व्यापार करना है और अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा कैसे करनी है।लावरोव ने पिछले हफ्ते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मॉस्को यात्रा की आलोचना के खिलाफ रूस के साथ भारत के संबंधों, विशेष रूप से ऊर्जा सहयोग का बचाव करते हुए कहा, मुझे लगता है कि भारत जो कर रहा है सही कर रहा है।

लावरोव ने प्रधानमंत्री मोदी की मॉस्को यात्रा के बारे में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेन्स्की की टिप्पणी को बहुत अपमानजनक कहा। उन्होंने कहा कि भारत ने यूक्रेन के नई दिल्ली स्थित राजदूत ओलेक्सांद्र पोलिशचुक को विदेश मंत्रालय में बुलाया और ज़ेलेंस्की की टिप्पणी पर विरोध जताया था। ज़ेलेंस्की ने एक्स पर पोस्ट किया था, यह शांति प्रयासों के लिए बड़ा झटका है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के नेता ने मॉस्को में दुनिया के सबसे खूनी अपराधी को ऐसे दिन गले लगाया जब कीव में बच्चों के अस्पताल पर रूसी मिसाइल से हमला हुआ था।भारत के साथ चीन को भी जोड़ते हुए, लावरोव ने एशियाई दिग्गजों की पश्चिमी देशों की ओर से हो रही आलोचना पर हमला किया। उन्होंने कहा, मल्टीपोलर दुनिया एक वास्तविकता है। यह काल्पनिक नहीं है। उन्होंने कहा, यह सच है कि पश्चिम चीन जैसी शक्तियों के प्रति अपनी नाराजगी दिखाता है, यह कूटनीति की विफलता को भी दर्शाता है। उन्होंने कहा, इस तरह से व्यवहार करना वास्तव में ओछी बात है, खास तौर पर तब जब वे इन दो दिग्गजों से इस तरह से बात कर रहे हैं।

गुजशत के वन एवं पर्यावशण मंत्री मुलूभाई बेश ने कहा

गुजशत में भी लागू वन नेशन, वन ट्रांजिट पास सिस्टम

गांधीनगर, १८ जुलाई । गुजशत के वन एवं पर्यावशण मंत्री मुलूभाई बेश ने अधिकाशियों के साथ शज्य में वन नेशन वन ट्रांजिट पास का वेब पोर्टल-मोबाइल एप लांच किया। इसके जशिए वन उत्पादों का पशिवहन होगा आसान हो जाएगा।

देश में वन उत्पादों को लाने- ले जाने में आसानी औश गति लाने के लिए 'वन नेशन, वन ट्रांजिट पास' सिस्टम लागू किया गया है। गुजशत में भी इस सिस्टम के तहत अंतश्शज्यीय वन उत्पादों के पशिवहन के लिए ई-वाहतुक पास लागू किया गया है। ऐसा होने से व्यापाश औश पशिवहन में अधिक गति-पाश्दर्शिता आएगी। साथ ही किसानों-व्यापाशियों की आय बढ़ेगी। वन औश पर्यावशण मंत्री मुलु बेश ने यह जानकाशी दी।

वन मंत्री की अध्यक्षता औश वन शज्य मंत्री मुकेश पटेल की उपस्थिति में गांधीनगश से केंद्र की 'शष्ट्रीय पशिवहन पास' प्रणाली के लिए डेस्कटॉप आधाशित वेब पोर्टल औश मोबाइल एप्लिकेशन का गुजशत में कार्यान्वयन किया गया।वन मंत्री बेश ने कहा कि जब एक शज्य से दूसशे शज्य में वन उत्पाद ले जाया जाता है तो बॉर्डश-चेकपोस्ट पश संबंधित शज्य के नियमों के अनुसाश शुल्क वसूल कश नए सिशे से ट्रांजिट पास जाशी कश्ने की सिस्टम लागू थी। प्रत्येक शज्य के नियम एवं ट्रांजिट पास शुल्क औश आधिकाशिक भाषा अलग-अलग होने के काशण वन उत्पादों के वाहतुक में बाधा उत्पन्न होती थी। इन प्रशासनिक कठिनाइयों को दूश कश्ने के लिए केंद्र सश्काश की ओश से 'वन नेशन, वन ट्रांजिट पास' के उद्देश्य से 'शष्ट्रीय पशिवहन पास प्रणाली' की शुरुआत की गई है। यह सिस्टम निजी भूमि, सश्काशी, निजी डिपो औश अन्य वन उत्पादों का अंतश्शज्यीय औश अंतश शज्य पशिवहन के लिए ट्रांजिट पास की निगशनी औश शिकॉर्ड श्खने में मदद कश्ता है।

वन मंत्री ने शष्ट्रीय ट्रांजिट पास सिस्टम की मुख्य विशेषताओं के बाशे में बताया कि यह डेस्कटॉप आधाशित वेब पोर्टल औश मोबाइल एप्लिकेशन के रूप में उपलब्ध है। इसके जशिए अधिकृत वन उत्पादों के लिए ट्रांजिट पास या मुक्तप्रजातियों के लिए आपत्ति प्रमाणपत्र के लिए ऑनलाइन पंजीकश्ण औश आवेदन किया जा सकता है। किसान मित्रों की ओश से निजी भूमि पश उगाई जाने वाली प्रजातियों के लिए आसानी से ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। इस अवसश पश वन विभाग के प्रधान सचिव श्मेश मीणा, हेड ऑफ फॉशेस्ट फोर्स यू. डी. सिंह समेत उच्च अधिकाशी उपस्थित थे।

कांग्रेस की सुरेन्द्रनगर में जारी कोयले के अवैध खनन की जांच एसआईटी या सीबीआई से कराने की मांग

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात प्रदेश कांग्रेस ने सुरेन्द्रनगर जिले में कोयले के अवैध खनन से सरकारी खजाने को भारी नुकसान हो रहा है। इस मामले की जांच एसआईटी या सीबीआई से कराई जानी चाहिए, ताकि पूरी सच्चाई सामने आ सके। गुजरात प्रदेश कांग्रेस प्रमुख और राज्यसभा सांसद शक्तिसिंह गोहिल ने कहा कि सुरेंद्रनगर जिले में कोयले (कार्बोसेल) का पूरी तरह से अवैध खनन चल रहा है, जिससे प्रति माह 1 रुपये प्रति कुआं के हिसाब से सरकारी खजाने को भारी नुकसान हो रहा है। सिस्टम व पदाधिकारियों को 1.50 लाख तक की किस्त का भुगतान किया जा रहा है। एक अनुमान के मुताबिक ऐसे एक हजार कुएं खोदे जा रहे हैं। इन अवैध गतिविधियों में श्रमिकों की सुरक्षा के लिए कोई सावधानी नहीं बरती जाती है। हाल ही में सुरेंद्रनगर जिले में ऐसी ही एक खदान में तीन गरीब युवा मजदूरों की मौत हो गई। प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से गठित टीम के सदस्य ऋत्विक मकवाना, जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नौशाद सोलंकी, तालुका कांग्रेस अध्यक्ष बच्चू डाभी और जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष प्रद्युम्नसिंह परमार ने कांग्रेस पार्टी की ओर से व्यक्तिगत रूप से अपनी संवेदना व्यक्त की और उन परिवारों से भी कुछ जानकारी एकत्र की जो इन चल रही अवैध गतिविधियों के शिकार थे। इस अवैध गतिविधि के शिकार तीन गरीब मजदूरों की मौत के बाद दर्ज शिकायत में तालुका पंचायत कार्यकारी समिति के अध्यक्ष और भाजपा नेता कल्पेश परमार और भाजपा नेता और भाजपा जिला पंचायत सदस्य के पति खिमजी करडिया भी आरोपियों में शामिल हैं। इससे साफ पता चलता है कि सुरेंद्रनगर जिले में पूरी तरह से अवैध कोयला खनन का संचालन भाजपा नेताओं द्वारा किया जा रहा है। कांग्रेस पार्टी ने मांग की है कि पीड़ित परिवारों को पूरा मुआवजा दिया जाना चाहिए और सुरेंद्रनगर जिले में इस अवैध गतिविधि की न्यायिक जांच की जानी चाहिए। यह अवैध गतिविधि पूरी तरह से गुजरात सिस्टम की मिलीभगत और पदाधिकारियों की मिलीभगत से भ्रष्टाचार के कारण की जा रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शक्तिसिंह गोहिल ने कहा कि यह बहुत जरूरी है कि सही तथ्य तभी सामने आयें जब उच्च न्यायालय के किसी सेवानिवृत्त न्यायाधीश के माध्यम से एसआईटी का गठन किया जाये ।

गुजरात में केवल पांच रुपए प्रति दिन के किराये पर मिलेगा श्रमिकों को सुविधायुक्त आवास

गांधीनगर (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने निर्माण (कन्स्ट्रक्शन) श्रमिकों सहित असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए आहार, स्वास्थ्य, आवास एवं आर्थिक आधार उपलब्ध करा कर उनके जीवन स्तर में गुणात्मक बदलाव लाने का राज्य सरकार का संकल्प व्यक्त किया है। इस संदर्भ में उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा है कि देश के विकास एवं प्रगति के लिए परिश्रम का पसीना बहाने वाले निर्माण श्रमिकों व असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों का सर्वग्राही कल्याण सरकारों का दायित्व है। भूपेन्द्र पटेल गुरुवार को राज्य सरकार के श्रम, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग के उपक्रम से अहमदाबाद, गांधीनगर, वडोदरा और राजकोट में निर्मित होने वाले श्रमिक बसेरों के लिए अहमदाबाद में आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम में बोल रहे थे। इन श्रमिक बसेरों के तैयार होने पर लगभग 15 हजार से अधिक श्रमिकों को लाभ मिलेगा। श्रमिक बसेरा योजना के तहत अहमदाबाद, गांधीनगर, राजकोट और वडोदरा में कुल 17 स्थलों की पहचान की गई है। श्रमिक बसेरा योजना के तहत श्रमिकों को कार्य स्थल के निकट उत्कृष्ट एवं किफायती बुनियादी सुविधाओं से युक्त पूर्वनिर्मित आवास मात्र 5 रुपये प्रतिदिन प्रति श्रमिक की टोकन दर पर उपलब्ध कराया जाएगा। आगामी तीन वर्षों में 1500 करोड़ रुपए की लागत से लगभग 3 लाख निर्माण श्रमिकों के लिए सुविधायुक्त अस्थायी आवास के रूप में श्रमिक बसेरे स्थापित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अहमदाबाद में जगतपुर में निर्मित होने वाले श्रमिक बसेरा का भूमिपूजन किया। समारोह में श्रम एवं रोजगार मंत्री बलवंतसिंह राजपूत उपस्थित रहें। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बड़े भवन, इमारत, इन्फ्रास्ट्रक्चर उद्योगों के लिए आवश्यक फैक्टरीज सहित प्रत्येक निर्माण को अपने पसीने से सींचने वाले निर्माण श्रमिकों को उनका अपना आश्रय स्थान दिलाने की चिंता की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के 'हर हाथ को काम, हर हाथ का सम्मान' मंत्र को साकार करते हुए गुजरात में असंगठित क्षेत्र के ऐसे निर्माण श्रमिकों को मूलभूत सुविधाओं के साथ अस्थायी आवास इन श्रमिक बसेरों से मिलेगा। उन्होंने कहा कि निर्माण श्रमिकों को आवास के साथ-साथ आहार मुहैया कराने के लिए प्रधानमंत्री के दिशादर्शन में राज्य सरकार ने श्रमिक अन्नपूर्णा योजना शुरू की है। इस योजना के तहत ऐसे श्रमिकों को केवल 5 रुपए की राहत दर पर राज्य भर में 290 से अधिक श्रमिक अन्नपूर्णा भोजन केन्द्रों से गर्म एवं पौष्टिक भोजन दिया जाता है। अब तक 2 करोड़ 54 लाख श्रमिकों को भोजन वितरण किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रमिक यदि 60 वर्ष की आयु का होने तथा वृद्धावस्था के कारण कामकाज करने में समर्थ न रहे, तो भी उसके निर्वहन के लिए उसे पीएम श्रमयोगी मान धन योजना के तहत प्रति माह लगभग 3000 रुपए की पेंशन राशि मिलती है। राज्य में 3 लाख से अधिक श्रमिकों को इस तरह की योजनाओं का सुरक्षा कवच प्राप्त है।

इरेडा नेपाल में 900 मेगावॉट हाइड्रो प्रोजेक्ट्स में करेगी रु 290 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली, 17 जुलाई, 2024: इंडियन रीन्युएबल एनर्जी डेवलपमेन्ट एजेंसी लिमिटेड (इरेडा) ने नेपाल में 900 मेगावॉट हाइड्रो इलेक्ट्रिक पावर प्रोजेक्ट में निवेश का फैसला लिया है। तकरीबन रु 290 करोड़ के निवेश के साथ इरेडा, जीएमआर अपर करनाली हाइड्रो पावर लिमिटेड, नेपाल और करनाली ट्रांसमिशन कंपनी प्रा. लिमिटेड, नेपाल में 10 फीसदी तक की हिस्सेदारी हासिल करेगी।

एसजेवीएन लिमिटेड के साथ साझेदारी में उठाए गए इस कदम का उद्देश्य नेपाल में 900 मेगावॉट अपर करनाली हाइड्रो-इलेक्ट्रिक पावर प्रोजेक्ट की स्थापना में सहयोग प्रदान करना है। यह परियेजना भारत सरकार एवं अन्य विनियामक प्राधिकरणों के अनुमोदन के अधीन होगी। इरेडा के निदेशक मंडल ने कल आयोजित बैठक में इस इक्विटी निवेश के लिए सैद्धान्तिक अनुमोदन दे दिया है।

श्री प्रदीप कुमार दास, चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, इरेडा ने कहा, ''यह सामरिक निवेश नवीकरणीय उर्जा के बुनियादी ढांचे में विस्तार तथा इस सेक्टर में अन्तर्राष्ट्रीय साझेदारी को बढ़ावा देने की हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। 900 मेगावॉट का यह प्रोजेक्ट नेपाल में हाइड्रो पावर की क्षमता का उपयोग करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, जो क्षेत्रीय उर्जा सुरक्षा और स्थायी विकास में योगदान देगा।'

चांदीपुश वायश्स का कहश, अब तक आठ बच्चों की मौत

अहमदाबाद, १८ जुलाई । कोशेना के बाद अब चांदीपुश नाम के नए वायश्स ने गुजशत में एंट्री की है। पिछले ९ दिनों में १२ बच्चे इस वायश्स से संक्रमित हो चुके हैं। जिनमें से शज्य में मंगलवाश तक कुल मश्ने वाले बच्चों की संख्या आठ तक पहुंच गई है। बच्चों की मौत से हड़कंप मचा हुआ है। संक्रमण बढ़ने से देश की स्वास्थ्य एजेंसियां अलर्ट पश हैं। इस वायश्स से ९ -१४ वर्ष की उम्र के बच्चे प्रभावित होने की सबसे अधिक संभावना है।

कोशेना वायश्स के बाद गुजशत में 'चांदीपुश' नामक वायश्स ने दस्त क दी है। गुजशत के साबश्कांठा औश अशवली जिलों में चांदीपुश वायश्स का कहश मासूम बच्चों की जान ले श्हा है। इससे संक्रमित होने से २ दिन के भीतश चाश बच्चों की मौत का दा वाकियाजाश्हाहै।इनकीमौत साबश कांठा सिविल अस्पताल में हुई है। सश्काश ने अभी तक चांदीपुश वाय श्स की पुष्टि नहीं की है। बच्चों के सैंपल जांच के लिए पुणे भेजे गए हैं इसकी शिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहा जा सकेगा। लूणावाड़ा औश हिम्मतनगश में एक-एक बच्चे की मौत हो गई। गुजशत में संदिग्ध चांदीपुश वायश्स का खतश बढ़ता जा श्हा है।

पूशे शज्य में मंगलवाश तक कुल मश्ने वाले बच्चों की संख्या आठ तक पहुंच गई है। वायश्स को लेकश स्वास्थ्य विभाग की टीम एक्टिव हो गई औश जांच भी शुरू कश दी है। इस वायश्स से ९ -१४ वर्ष की उम्र के बच्चे प्रभावित होने की सबसे अधिक संभावना है। स्वास्थ्य विभाग की ३०० टीमें अलग-अलग गांवों में सर्विलांस का काम कश दवा का छिड़काव कश श्ही हैं।यह कोई नया वायश्स नहीं है। इसका पहला मामला १९६५ में महाशष्ट्र के नागपुश जिले के चांदीपुश में सामने आया था। इस वायश्स से महाशष्ट्र, गुजशत औश आंध्र प्रदेश के कुछ इलाके प्रभावित हैं। यह एक आश्एनए वायश्स है। इसके संक्रमण से शेगी मस्तिष्क ज्वश (एन्सेफला इटिस) का शिकाश हो जाता है। यह मच्छशें औश मक्खियों जैसे शेगवाह कों से फैलता है।

चांदीपुश वायश्स बच्चों को अपना शिकाश बनाता है। यह मुख्य रूप से १४ साल तक के बच्चों को प्रभावित कश्ता है। संक्रमण तब फैलता है जब वायश्स मक्खी या मच्छश के काटने या उनकी लाश के संपर्क के माध्यम से श्क्ततक पहुंचता है। वायश्स से संक्रमित बच्चों के मस्तिष्क में सूजन समेत कई अन्य लक्षण दिखने लगते हैं। स्वास्थ्य विभाग संक्रमित बच्चों के पशिजन का भी सैंपल ले श्ही।

स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल ने बताया कि साबश्कांठा, अशवल्ली, महिसागश, खेड़ा, मेहसाणा औश शजकोट जिलों से इसके मामले सामने आए हैं। पटेल ने बताया कि पड़ोसी शज्यों के तीन मशीज़ों (शजस्थान के दो औश मध्य प्रदेश के एक मशीज़) का भी गुजशत के अस्पतालों में इलाज किया है।

20 जुलाई को साणंद-छारोड़ी सेक्शन में रेलवे क्रॉसिंग नं. 22 A, 23 एवं 25 बंद रहेंगे

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मण्डल के साणंद स्टेशन पर नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के कारण साणंद-छारोड़ी सेक्शन के बीच स्थित रेलवे क्रॉसिंग नंबर 22ए चेखला फाटक (किमी 524/18-20), रेलवे क्रॉसिंग नंबर 23 लायपुरा फाटक (किमी 525/16-18) एवं रेलवे क्रॉसिंग नंबर 25 वासना फाटक (किमी 527/28-30) 20 जुलाई 2024 को प्रातः 06.00 बजे से 21:00 बजे तक बंद रहेंगे।

सड़क उपयोगकर्ता इस अवधि के दौरान रेलवे क्रोसिंग नं29 (खोड़ा रेलवे फाटक), रेलवे क्रॉसिंग नं.37 (सचाणा गाम रेलवे फाटक), रेलवे क्रॉसिंगनं.24(लायपुरारेलवे फाटक) और रेलवेक्रॉसिंगनं.26(वासना रेलवे फाटक)का इस्तेमाल कर सकते है।

आम की स्थायी खेती को बढ़ावा देने के लिए

कोका कोला इंडिया के फाउंडेशन आनंदना और ग्राम उन्नति ने कर्नाटक में 'प्रोजेक्टि उन्नमति मैंगो' लॉन्च किया

कर्नाटक, जुलाई : कोका कोला इंडिया ने अपने आनंदना फाउंडेशन के माध्यम से कर्नाटक के कोलार और रामनगर जिलों में ''प्रोजेक्ट उन्नति मैंगो'' लॉन्च करने के लिए ग्राम उन्नति के साथ साझेदारी की है। मैंगो डे से पहले शुरू की गई इस परियोजना का मकसद आम की स्थायी खेती और उत्पादकता को बेहतर बनाना है। इसके साथ ही इन जिलों में आम की अलफांसो और तोतापुरी किस्मों को उगाने वाले किसानों का मुनाफा भी बढ़ेगा। कोका कोला के विकसित किसान अभियान और सरकार के आत्मनिर्भर भारत अभियान की तर्ज पर, यह परियोजना किसानों को उच्च घनत्व वाले पौधारोपण और ड्रिप सिंचाई जैसी आधुनिक तकनीकों में प्रशिक्षित करेगी। इससे उन्हें मजबूत बनाकर उनकी आमदनी बढ़ाई जाएगी।

ग्राम उन्नति के सीईओ और फाउंडर अनीश जैन ने इस प्रोजेक्टह के लॉन्चण के बारे में कहा, ''ग्राम उन्नति को इस परियोजना के लिए आनंदना के साथ साझेदारी करके गर्व हो रहा है। यह प्रोजेक्टल स्थायी खेती और किसानों को आर्थिक व सामाजिक लिहाज से मजबूत बनाने की हमारी प्रतिबद्धता पर जोर देता है। हमारा लक्ष्य खेती के आधुनिक तरीके अपनाकर और गुणवत्ता पर खास ध्यान देकर कर्नाटक में आम की खेती करने वाले किसानों की आमदनी बढ़ाना है। हम एक साथ मिलकर आम की खेती के स्थायी विकास और इसमें नए-नए तरीके अपनाने को बढ़ावा देंगे। इससे किसानों और पर्यावरण दोनों को लाभ होगा।''

21 से 29 जुलाई तक साबरमती-जोधपुर एक्सप्रेस आंशिक निरस्त रहेगी

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल पर अहमदाबाद-पालनपुर सेक्शन में कामली-सिद्धपुर-धारेवाड़ा स्टेशनों के बीच डबल लाइन कार्य के कारण साबरमती-जोधपुर एक्सप्रेस साबरमती और आबूरोड के बीच आंशिक निरस्त रहेगी। जिसका विवरण इस प्रकार हैः-

21 जुलाई से 29 जुलाई 2024 तक साबरमती से चलने वाली ट्रेन संख्या 14822 साबरमती -जोधुपर एक्सप्रेस साबरमती और आबूरोड के बीच आंशिक निरस्त रहेगी।

20 जुलाई से 28 जुलाई 2024 तक जोधपुर से चलने वाली ट्रेन संख्या 14821 जोधपुर-साबरमती एक्सप्रेस आबूरोड और साबरमती के बीच आंशिक निरस्त रहेगी।

ट्रेनों के ठहराव, मार्ग और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www .enquiry .indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/ 95